सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 57, नई दिल्ली । गुरुवार, 09 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

एक मिनट की सफलता बरसों की असफलता की कीमत चुका देती है।

03 डीपफेक के मामले पर अब तक कार्रवाई करने में विफल रही केंद्र सरकार

06 ईवीएम पर भरोसा कितना जायज?

08 उड़िशा में दल बदलू नेता केंद्रपरा जिले में सबसे ज्यादा

दिल्ली परिवहन विभाग भी अगर दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों पर कार्य कर लेता तो दिल्ली में भी जाम और दुर्घटनाएं 25% कम होती : टोलवा

ई रिक्शा व ई ऑटो को लेकर माननीय उच्च न्यायालय नैनीताल उत्तराखंड का महत्वपूर्ण आदेश

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिनांक 07.05.2024 को पुलिस अधीक्षक यातायात जनपद हरिद्वार द्वारा अपने कार्यालय स्थित सीसीआर में मा0 उच्च न्यायालय नैनीताल, उत्तराखण्ड के समध विचाराधीन याचिका संख्या- 222 (पीआईएल)/2024 श्री अभिमन्यु भारद्वाज बनाम उत्तराखण्ड राज्य व अन्य योजित याचिका के क्रम में जनपद में संचालित ई-रिक्शा/ ई-कार्ट को हाईवे एवं मुख्य मार्गो पर प्रतिबन्धित करने एवं शहरों के आन्तरिक सड़को में संचालन हेतु मार्ग निर्धारित करने सम्बन्धी अनुतोष मांगे जाने के क्रम में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया तथा ई-रिक्शा यूनियन के पदाधिकारियों के साथ एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिसमें शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ करने के उद्देश्य से ई रिक्शा के संचालन हेतु निम्न बिन्दुओ पर निर्णय लिये गये।

यदि कोई ई-रिक्शा हाईवे पर चलता है तो ई-रिक्शा को सीज किया जायेगा।

सभी ई-रिक्शा चालको के पास सम्पूर्ण कागजात होने चाहिए जिसके लिए सभी ई-रिक्शा यूनियन के प्रधान को निर्देशित किया गया कि वह सभी अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझते हुये युनियन के सभी ई-रिक्शा चालको निर्देशित करे कि उनके पास ई-रिक्शा सम्बन्धी सभी कागजात जैसे -फिटनेस, डी0 एल0, टैक्स व इन्श्योरेन्स पूर्ण होने चाहिए जिन ई-रिक्शा चालको के पास उक्त सभी दस्तावेज पूर्ण नही होगें उनके ई-रिक्शा को सम्बन्धित धाराओं में सीज किया जायेगा जिसकी जिम्मेदारी ई-रिक्शा चालक व ई-रिक्शा यूनियन की होगी।

यदि जीरो जोन जैसे अपर रोड़ में अपने ई-रिक्शा चैकिंग के दौरान बिना पास के पाया जाता है तो उनके विरुद्ध कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। सभी ई-रिक्शा पर रुट चार्ट व रेट लिस्ट चस्पा की जाए जिससे जनपद में आने वाले यात्री से किसी ई-रिक्शा चालक द्वारा मनमाना किराया न वसूला जाए।

सभी ई-रिक्शा वर्तमान में लागू वन-वे प्लान के अनुरुप ही चलाए जायेगे।

यदि कोई ई-रिक्शा वन वे प्लान का पालन नही करता है तो उसके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

यूनियन के साथ सहमति से शहर के आन्तरिक क्षेत्र में 16 रुटों का निर्धारण किया गया।

निर्धारित रूट मार्ग हेतु ई -रिक्शा को आवंटित किए गए फ्लैग

01- रेलवे स्टेशन-शिवमूर्ति चौक-बाल्मिकी चौक पोस्ट ऑफिस तिराहा जूना अखाड़ा-गुजरांवाला चौक-पीलीभीत हाउस तुलसी चौक देवपुरा चौक रेलवे स्टेशन तक। (लाल)

2-रेलवे स्टेशन शिवमूर्ति चौक बाल्मिकी चौक गुजरांवाला चौक ललतारौपुल के बांये से रोड़ीबेलवाला तक (पीला)

वापसी

रोडीबेलवाला-अलकनन्दा तिराहा बैरागी कैम्प गेट- शंकराचार्य चौक -तुलसी चौक-देवपुरा चौक- रेलवे स्टेशन तक।

3- रेलवे स्टेशन-शिवमूर्ति-तुलसी चौक शंकराचार्य चौक-कनखल तक।

वापसी

कनखल-शंकराचार्य चौक- तुलसी चौक -देवपुरा चौक-रेलवे स्टेशन तक।(हरा)

04 -रेलवे स्टेशन-शिवमूर्ति चौक- तुलसी चौक- देवपुरा चौक- ऋषिकुल तिराहा वापसी

ऋषिकुल तिराहा- देवपुरा चौक- रेलवे स्टेशन तक।(गहरा नीला)

05-पोस्ट ऑफिस तिराहा- जूना अखाड़ा-गुजरावाला-पीलीभीत-तुलसी चौक देवपुरा चौक रेलवे स्टेशन-शिवमूर्ति चौक- पोस्ट ऑफिस तिराहा तक।(बैंगनी)

6-पोस्ट ऑफिस तिराहा-ब्रहमपुरी तिराहा-बिल्केश्वर मंदिर तिराहा- भगतसिंह चौक तक।

वापसी

भगतसिंह चौक-बिल्केश्वर मंदिर तिराहा ब्रहमपुरी तिराहा पोस्ट ऑफिस तिराहा(काला)

7-रजिस्ट्री तिराहा- जूना अखाड़ा-गुजरावाला चौक -ललतारौपुल के बांये से रोड़ीबेलवाला-अलकनन्दा तिराहा-बैरागी कैम्प गेट से बैरागी कैम्प होते हुए कनखल तक। वापसी इसी मार्ग से (सफेद)

08- भीमगौड़ा- सूखीनदी- करपात्री तिराहा-पावनधाम- ए०आर०टी०ओ० चौक-भारतमाता मंदिर तक। वापसी इसी मार्ग से(भूरा)

09-भीमगौड़ा- सूखीनदी-दूधाधारी तिराहा से सर्विस लेन होते हुए सप्तऋषि तक। वापसी इसी मार्ग से(गुलाबी)

10-रोडीबेलवाला -अलकनन्दा तिराहा-बैरागी कैम्प गेट- शंकराचार्य चौक-तुलसी चौक देवपुरा चौक –रेलवे स्टेशन- शिवमूर्ति चौक-बाल्मिकी चौक- ललतारौपुल से बांये होते हुए रोड़ीबेलवाला तक।(आसमानी नीला)

11-कनखल देशरक्षक-सिंहद्वार -शिवमूर्ति चौक से बांये होते हुए आर्यनगर चौक रेल चौकी तक। वापसी इसी मार्ग से (नारंगी)

12-जटवाड़ा पुल-कोतवाली ज्वालापुर-दुर्गा चौक -आर्यनगर चौक- शंकर आश्रम तिराहा-रानीपुर मोड़- ऋषिकुल तिराहा तक। वापसी इसी मार्ग से(सफेद/ काला)

13-जटवाड़ा पुल-दुर्गा चौक- रेल चौकी रेलवे स्टेशन ज्वालापुर-भगतसिंह चौक-टिबड़ी -हिलबाईपास-बिल्केश्वर मंदिर तिराहा तक।वापसी इसी मार्ग से (लाल/ हरा)

14- सिडकुल-शिवालिक नगर चौक -भगतसिंह चौक तक वापसी इसी मार्ग से(नीला/ पीला)

15-कनखल-रामदेव पुलिया -प्रेमनगर आश्रम चौक-रानीपुर मोड -भगतसिंह चौक तक। वापसी इसी मार्ग से(गुलाबी/ बैंगनी)

16-जगजीतपुर-बुढीमात्ता तिराहा -देशरक्षक सिंहद्वार-शंकर आश्रम तिराहा तक। वापसी इसी मार्ग से(सुनहरा।

बहुमत बेहतर सड़क सुरक्षा प्रबंधन के लिए मजबूत प्रवर्तन का समर्थन करता है

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा हरियाणा समूह द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण में, अधिकांश प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा उपायों को बढ़ाने में प्रवर्तन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। सर्वेक्षण का उद्देश्य सड़क सुरक्षा प्रबंधन में सुधार के लिए सबसे प्रभावी रणनीतियों के बारे में जनता की धारणाओं को जानना था। उत्तरदाताओं के बीच, यातायात उल्लंघनों से निपटने और सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करने के प्राथमिक उपाय के रूप में प्रवर्तन के महत्व के बारे में एक उल्लेखनीय सहमति उभरी। कई प्रतिभागियों ने यातायात नियमों के प्रति प्रचलित उपेक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की, मोटर चालकों के बीच लापरवाह व्यवहार को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन उपायों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सर्वेक्षण के निष्कर्षों के अनुसार, उत्तरदाताओं के एक बड़े अनुपात ने सड़क सुरक्षा प्रबंधन में शामिल सभी हितधारकों के लिए बढ़ते प्रवर्तन प्रयासों की वकालत की। उन्होंने तर्क दिया कि सड़क सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए

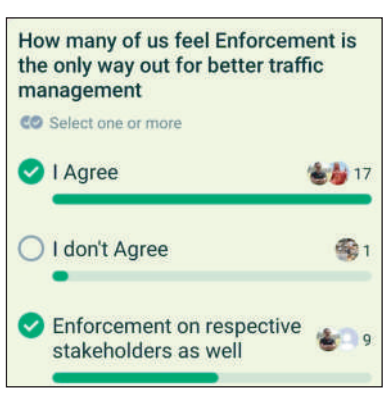

जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने से सड़कों पर दुर्घटनाओं और मृत्यु की खतरनाक दर को रोकने में मदद मिलेगी। सर्वेक्षण के नतीजों ने जनता के बीच बढ़ती आम सहमति को रेखांकित किया कि यातायात कानूनों और विनियमों के अनुपालन की संस्कृति को बढ़ावा देने में प्रवर्तन एक केंद्रीय भूमिका निभाता है। प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच जिम्मेदारी और जवाबदेही की भावना पैदा करने के लिए निरंतर और लगातार प्रवर्तन कार्रवाई आवश्यक है। चूंकि सड़क सुरक्षा सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए दूरगामी प्रभावों के साथ एक गंभीर चिंता बनी हुई है, इस सर्वेक्षण के निष्कर्ष सड़क सुरक्षा प्रबंधन को बढ़ाने के प्रयासों में प्रवर्तन उपायों को प्राथमिकता देने की अनिवार्यता की समय पर याद दिलाते हैं। यह स्पष्ट है कि सुरक्षित सड़क वातावरण को बढ़ावा देने और टालने योग्य दुर्घटनाओं और त्रासदियों को रोकने के लिए प्रवर्तन पर ठोस ध्यान देना महत्वपूर्ण है। हमें वास्तव में मानता हूं कि हम भारतीयों को प्रवर्तन एजेंसियों से रिश्वत और भ्रष्टाचार के बिना सख्त कानून और बेहतर प्रवर्तन की आवश्यकता है. इन सबके पीछे दोषी है हमारी मानसिकता, नजरिया और भ्रष्टाचार..."

डॉ. हेमंत अत्रीः- "उचित सड़क स्थान प्रबंधन यानी विक्रेता, निर्दिष्ट पड़ाव और पार्किंग के बिना शायद ही कोई प्रवर्तन कार्य करता है। बस योजना के साथ प्रवर्तन से पहले समाज की आवश्यकता को संबोधित किया जाना चाहिए"

गुरुग्राम फ़रीदाबाद टोल रोड से संबंधित मुख्य मुद्दे:

यातायात अराजकता और लेन अनुशासन: ड्राइवरों द्वारा लेन अनुशासन का पालन करने में विफल रहने के कारण यातायात अराजकता की समस्या लगातार बनी रहती है, खासकर व्यस्त कार्यालय समय के दौरान।

पीक आवर्स के दौरान गलत ड्राइविंग: गलत तरीके से ड्राइविंग का प्रचलन ट्रैफ़िक की भीड़ को बढ़ा देता है, खासकर पीक ऑफिस आवर्स के दौरान, जिससे स्थिति और भी जटिल हो जाती है।

आवारा जानवर बाधाओं के रूप में: टोल प्रवेश/निकास के पास आवारा जानवरों की उपस्थिति एक महत्वपूर्ण बाधा समस्या पैदा करती है, जिससे संभावित रूप से दुर्घटनाएं होती हैं और यातायात में और देरी होती है।

सीमित टोल कर्मचारी भूमिकाएँ: टोल कर्मचारियों को मुख्य रूप से टोल एकत्र करने का काम सौंपा जाता है, सुरक्षा चिंताओं को दूर करने या यातायात नियमों को लागू करने के लिए प्राधिकरण या संसाधनों की कमी, समग्र अव्यवस्था में योगदान करती है।

अक्षम टैग प्रणाली: एक कुशल टैग प्रणाली के अभाव के परिणामस्वरूप लंबी कतारें लगती हैं, जिससे यातायात की भीड़ बढ़ जाती है और यात्रियों के लिए आवागमन का समय बढ़ जाता है।

सेकंड हैंड पुरानी कार खरीदने वाले कार खरीदने से पहले जांन ले नीचे दी गई जानकारी वरना हो सकता हैं आपके साथ धोखा...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। क्या आप दूसरी कार खरीदने का विचार कर रहे हैं तो आपको मार्केट में होने वाले कुछ धोखाधड़ी के बारे में पता होना जरूरी है। हम आपको कुछ ऐसी घटनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं जो लोगो को पुराने कार डीलर या प्लेटफॉर्म से कार खरीदने के बाद हुई।

ब्याज दरें सेकंड हैंड कार मार्केट में आमतौर पर ब्याज दरें उंची होती हैं। यही कारण है कि अगर कोई विक्रेता फ्लैट इंटरेस्ट रेट का वादा करता है, तो सावधान हो जाइए। यह बातें लुभावनी लग सकती हैं लेकिन वह अक्सर बताते हैं कि कार लोन रीड्यूसिंग रेट बेसिस पर दिए जाते हैं। यानी आपको बताई गई ब्याज दर की तुलना में दोगुना ब्याज देना पड़े।

कार मालिक की जानकारी अक्सर सेकंड हैंड कार बेचने वाले विक्रेता कार के पिछले मालिक की संख्या छिपाते हैं. इससे खरीदार को कार की हिस्ट्री और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी नहीं मिलती। वह आपको कार के मूल दस्तावेजों, जैसे आरसी (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट), दिखाने के बजाय फोटोकॉपी दिखाते हैं, जिसमें सिर्फ एक ही मालिक का विवरण है। साथ ही, कार की अधिक कीमत का लाभ उठाया जाता है। तो कार खरीदने से पहले हमेशा फिजिकल ओरिजिनल दस्तावेजों को देख लें।

व्हीकल टाइटल पुरानी कार बेचने वाले लोग अक्सर अपनी कार को दूसरे राज्य में स्थानांतरित कर देते हैं, जिससे कार की इतिहास छिप जाता है और बाढ़ से खराब हो चुकी या मरम्मत नहीं हो सकने वाली कार ग्राहक धोखे में आकर खरीद लेता है। यह एक तरह से जोखिमपूर्ण गेम है, जिसमें हिस्ट्री और कार की खराब स्थिति छिपी रहती हैं।

ओडोमीटर रोलबैक सेकंड हैंड कार खरीदते समय यह सुनिश्चित करें कि ओडोमीटर रोलबैक करके आपको धोखा तो नहीं दिया जा रहा है। कार बेचने वाले अक्सर ओडोमीटर से छेड़छाड़ करते हैं जिससे कार को अधिक कीमत पर बेचा जा सके। इसलिए, कार खरीदने से पहले उसके रिकॉर्ड की पूरी तरह से जांच करें। हर अच्छा दिखने वाली चीज़ अच्छी हो यह जरूरी नहीं है।

सैलवेज टाइटल स्टेटस बीमा कंपनियों द्वारा टोटल लॉस घोषित किए गए व्हीकल्स आजकल सेकंड हैंड कार मार्केट में बेचे जा रहे हैं वह भी जानकारी छिपाकर। **यह कारे पूरी तरह से खराब हो चुकी होती है जिसे दुबारा से तैयार करके बाजार में बेचा जा रहा है ऐसे में आप कार खरीदते समय सैलवेज टाइटल को नहीं जान पाते है इसलिए खरीदने से पहले सावधान रहें।**

कला के माध्यम से सड़क सुरक्षा को सशक्त बनाना: सुरक्षित भारत के लिए कार्रवाई का आह्वान" : अंकुर

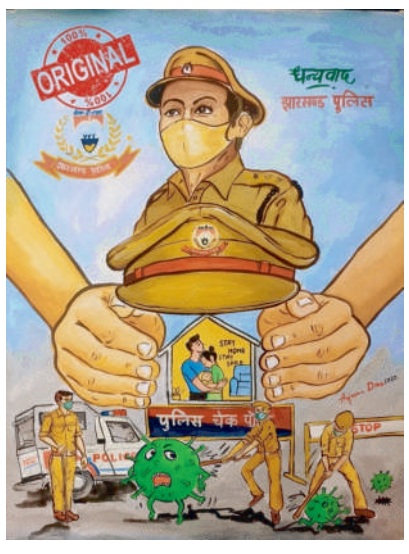

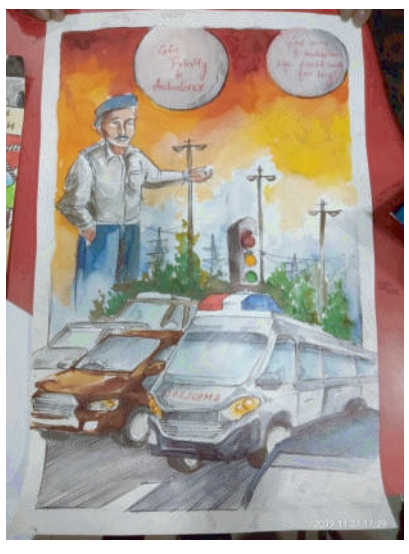

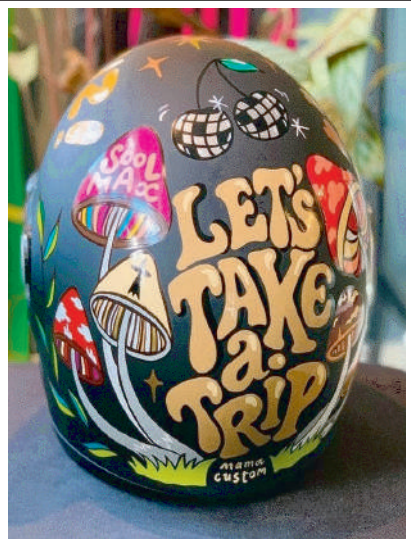

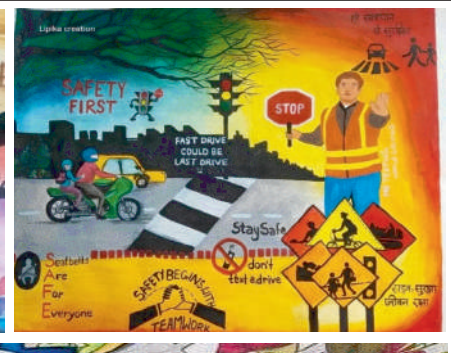

सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित परिवहन परिदृश्य की वकालत करने के लिए, "कला निर्भर भारत" पहल रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक सम्मोहक मार्ग पेश करती है - सड़क सुरक्षा कला अभियान। यह अभिनव प्रयास जीवन के सभी क्षेत्रों के कलाकारों को एक नेक काम के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए आमंत्रित करता हैः सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और परिवहन विशेष का समर्थन करना।

कला में भाषा की बाधाओं को पार करने, विविध दर्शकों के साथ जुड़ने और कार्रवाई को प्रेरित करने वाली भावनाओं को जगाने की शक्ति है। इस अभियान के माध्यम से, प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता को कलाकृतियों में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं - हेलमेट पहनने के महत्व से लेकर यातायात नियमों का पालन करने तक, और सुरक्षित सड़कों की वकालत से लेकर नवीन उपकरण और समाधान सुझाने तक।

ब्रश का हर स्ट्रोक, खींची गई हर रेखा और चुना गया हर रंग हमारी सड़कों पर सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में कार्य करता है। चाहे चित्रण, पेंटिंग, डिजिटल कला या मिश्रित मीडिया के माध्यम से, प्रत्येक रचना में बातचीत को बढ़ावा देने, जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रेरित करने की क्षमता होती है।

इसके अलावा, **परिवहन विशेष** को समर्थन देकर, अभियान हमारी परिवहन प्रणालियों में समावेशिता और पहुंच के महत्व को रेखांकित करता है। विकलांग व्यक्तियों की जरूरतों और चुनौतियों को उजागर करने वाली कलाकृतियाँ प्रदर्शित करके, हम एक ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास करते हैं जहाँ हर कोई - क्षमता की परवाह किए बिना - सुरक्षित रूप से और सम्मान के साथ सड़कों पर चल सके। जैसे-जैसे हम आधुनिक समय की गतिशीलता की जटिलताओं से निपटते हैं, यह जरूरी है कि हम अपने संदेश को बढ़ाने और सार्थक परिवर्तन लाने के लिए कला की शक्ति का उपयोग करें। सड़क सुरक्षा कला अभियान एक सुरक्षित, अधिक समावेशी परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के हमारे प्रयासों में एकजुट होने के लिए कलाकारों, अधिवक्ताओं और नागरिकों के लिए एक स्पष्ट आह्वान के रूप में कार्य करता है।

तो, अपनी कल्पना को उड़ान दें, अपनी रचनात्मकता को स्वतंत्र रूप से बहने दें, और सड़क सुरक्षा के प्रति अपने जुनून को अपनी कला के माध्यम से चमकने दें। आइए, हम सब मिलकर अपने प्यारे देश में सड़क का उपयोग करने वाले सभी लोगों के लिए एक उज्जवल, सुरक्षित भविष्य का मार्ग प्रशस्त करें। सुरक्षित भारत की ओर इस यात्रा में हमारे साथ जुड़ें - #ArtNirbharBharat, डॉ. अंकुर शरण की एक पहल

indiangreenbuddy@gmail.com

बेहद प्राचीन और फेमस हैं हनुमान जी के यह मंदिर, एक बार आप भी जरूर कर आएं दर्शन

अनन्या मिश्रा

हनुमान जी श्रीराम के अनन्य भक्त हैं और श्रीराम की कृपा पाने के लिए व्यक्ति को हनुमान जी की शरण में जाना होता है। आज हम आपको देश के कुछ फेमस हनुमान मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

हमारे देश में कई फेमस और प्राचीन मंदिर हैं। वहीं उत्तर से लेकर दक्षिण तक हनुमान जी के कई फेमस मंदिर हैं। वहीं इन हनुमान मंदिर की बेहद मान्यता है। मान्यता के अनुसार, यहां पर स्वयंभू हनुमान जी प्रकट हुए। बता दें कि हनुमान जी को कलयुग का देवता माना जाता है और उनको संकटमोचन भी कहा जाता है। क्योंकि हनुमान जी अपने भक्तों से जल्दी प्रसन्न होने वाले देव हैं। कहा जाता है कि कलयुग के अंत तक हनुमान जी अपने शरीर में रहेंगे।

हनुमान जी श्रीराम के अनन्य भक्त हैं और श्रीराम की कृपा पाने के लिए व्यक्ति को हनुमान जी की शरण में जाना होता है। हनुमान जी के सामने कोई भी मायावी शक्ति नहीं ठहर पाती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश के कुछ फेमस हनुमान मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन मंदिरों की काफी मान्यता है वहीं दूर-दूर से भक्त इन मंदिरों में हनुमान जी के दर्शन के लिए आते हैं।

बालाजी मंदिर, राजस्थान

राजस्थान के दौसा जिले के पास दो पहाड़ियों के बीच मेहंदीपुर बसा है। मेहंदीपुर में बालाजी का मंदिर हैं। बताया जाता है कि यहां पर चट्टान में स्वयंभू हनुमान जी की आकृति उभरी थी। तब से इस स्थान को हनुमान जी का जाग्रत स्थान माना जाता है। इस मंदिर में हनुमान जी के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं। यह मंदिर करीब 1 हजार साल पुराना है। हनुमान जी के अलावा इस मंदिर में प्रेतराज सरकार, भैरव बाबा और कोतवाल कप्तान की भी पूजा की जाती है। इस मंदिर की सीमा में प्रवेश करने से पहले खाने-पीने की तामसिक चीजों को बाहर रखनी होती हैं। इस मंदिर में प्रसाद के रूप में सब्जी-पूड़ी मिलती है।

सालासर हनुमान मंदिर, राजस्थान

राजस्थान में फेमस सालासर हनुमान मंदिर है। यह मंदिर राजस्थान के चुरू जिले में है। यहां पर भी हनुमान जी की प्रतिमा खुद प्रकट हुई थी। इस गांव का नाम सालासर है, जिसके कारण मंदिर का नाम भी सालासर बालाजी पड़ा। यह पहला ऐसा मंदिर है, जहां पर हनुमान जी की प्रतिमा दाड़ी-मूंछ वाली है। यह मूर्ति एक किसान को खेत में मिली थी। जिसके बाद इसको सालासर में सोने के सिंहासन पर स्थापित किया गया।

हनुमान धारा, चित्रकूट

उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में हनुमान धारा मंदिर है। यह मंदिर काफी फेमस है और दर्शन के लिए मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। बता दें कि हनुमान जी की मूर्ति के ठीक ऊपर दो कुंड हैं, जो हमेशा भरे रहते हैं। इस कारण इसे हनुमान धारा मंदिर कहा जाता है।

हनुमान मंदिर, इलाहबाद

उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में लेटे हुए हनुमान जी है। इस मंदिर को लेटे हुए हनुमान मंदिर कहा जाता है। यहां मंदिर काफी पुराना है और मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा लेटी हुई है। इस कारण इस मंदिर का नाम लेटे हुए हनुमान मंदिर पड़ा। इस मंदिर में 20 फीट लंबी हनुमान मूर्ति है।

हनुमानगढ़ी, अयोध्या

भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में फेमस हनुमानगढ़ी मंदिर है। इस मंदिर में दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं। बताया जाता है कि करीब 300 साल पहले स्वामी अभयारामदास जी ने इस मंदिर की स्थापना की थी। श्रीराम की नगरी होने के कारण हनुमानगढ़ी मंदिर काफी ज्यादा फेमस है।

अपनत्व की भावना थोड़ा सा दाना-थोड़ा सा पानी

भीषण गर्मी में हालात ऐसे हैं कि हर कण्ठ को तलाश है पानी की, चाहे वह पशु-पक्षी हों या फिर हम इंसान... हम सभी में उतनी तो संवेदनशीलता होनी ही चाहिए कि पशु- पक्षियों को दाना-पानी की कहीं कोई समस्या नहीं आए। दाना-पानी के अभाव में अगर कोई पशु या पक्षी तड़पता है, भीषण गर्मी का शिकार होकर भूख और प्यास से दम तोड़ देता है तो हमारी संवेदना ऐसों की मदद के लिए जरूर होनी चाहिए। अतः हम अपने मकान के आसपास पशु पक्षियों के लिए दाना- पानी की व्यवस्था करें, ताकि हमारे इन छोटे प्रयासों से यदि वे बेजुबान इस गर्मी के कहर से खुद को बचा सके तो मानवता को भी संजीवनी मिलेगी...! 10 मई, शुक्रवार को अक्षय पुण्य प्राप्त करने वाली अक्षय तृतीया का दिन पड़ रहा है। अतः इस शुभ अवसर पर अपने घर के आसपास और घरों की छत व बालकनी पर पशु- पक्षियों के लिए दाना- पानी की व्यवस्था जरूर करें। और इस व्यवस्था को पूरी गर्मी निरंतर रखें।धन्यवाद।

अक्षय तृतीया के दिन कर सकते हैं गृह प्रवेश, जानें शुभ मुहूर्त...

पंचांग के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि यानी कि 10 मई को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जा रहा है। कोई भी शुभ कार्य करने के लिए यह पर्व बहुत ही अच्छा माना जाता है। अगर आप गृह प्रवेश, नया घर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो इसके लिए शुभ मुहूर्त क्या है। इसके बारे में बताते हैं।

सनातन धर्म अक्षय तृतीया पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा की जाती है, वहीं दान-पुण्य के कार्य किए जाते हैं। अक्षय तृतीया पर सोना-चांदी खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। साथ ही माता लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। मान्यताओं के अनुसार यह तिथि सौभाग्य प्राप्ति के लिए काफी उत्तम है। पंचांग के हिसाब से वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि यानी कि 10 मई को है। अगर आप गृह प्रवेश, नया घर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो इसके लिए शुभ मुहूर्त क्या है। इसके बारे में बताते हैं।

गृह प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त क्या है?

गृह प्रवेश के लिए अक्षय तृतीया का पूरा दिन ही शुभ है। क्योंकि इस दिन बूझ मुहूर्त रहता है। यानी कि बिना मुहूर्त देखे कोई भी शुभ कार्य किया जा सकता है। फिर भी अगर आप विशेष मुहूर्त देखकर गृह प्रवेश करना चाहते हैं, तो इस दिन कुल 6 घंटे 44 मिनट का शुभ मुहूर्त है।

विशेष मुहूर्त : - अक्षय तृतीया के प्रातः मुहूर्त 07 बजकर 16 मिनट से लेकर 08 बजकर 05 मिनट तक है।

- दोपहर का मुहूर्त 11 बजकर 55 मिनट से लेकर 12 बजकर 18 मिनट तक है।

अक्षय तृतीया के दिन चौघड़िया मुहूर्त कब है?

-चर (सामान्य) - प्रातः 05:33 - प्रातः 07:14
-लाभ (उन्नति) - प्रातः 07:14 - प्रातः 08:56
-अमत (सर्वोत्तम) - प्रातः 08:56 - प्रातः 10:37
-शुभ (उत्तम) - दोपहर 12:18 - दोपहर 01:59

इन राशियों के जातकों को करनी चाहिए कंदब के पेड़ की पूजा, परेशानियां होगी दूर

ज्योतिष शास्त्र में सभी पेड़-पौधे की पूजा करने के बारे में बताया गया है। ऐसा करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कदंब का पेड़ गुरु ग्रह से जुड़ा हुआ है। गुरु ग्रह को ज्ञान, शिक्षा, बुद्धि, समृद्धि और भाग्य का कारक ग्रह माना जाता है।

हिंदू धर्म में पेड़-पौधों की पूजा करने का विधान है। मान्यता है कि इनमें देवी-देवताओं का वास होता है। ज्योतिष के अनुसार, जो जातक पेड़-पौधों की विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं। उसकी सभी परेशानियां दूर हो सकती है और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। इसके अलावा ग्रह दोष से निजात मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कदंब का पेड़ गुरु ग्रह से जुड़ा हुआ है। गुरु ग्रह को ज्ञान, शिक्षा, बुद्धि, समृद्धि और भाग्य का कारक ग्रह माना जाता है। कंदब के पेड़ की पूजा करने से गुरु ग्रह मजबूत होता है और जातक को इन सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होती है। अब ऐसे में कदंब के पेड़ की पूजा किस राशि के जातकों को करनी चाहिए।

वृषभ राशि

कंदब के पेड़ की पूजा वृषभ राशि के जातकों को विशेष रुप से करनी चाहिए। दरअसल, कंदब का पेड़ ज्ञान और समृद्धिका प्रतीक है। अगर इसकी विधिवत पूजा-अर्चना की जाए, तो जातकों को जीवन में सफलता मिल सकती है।यदि आप इस पेड़ की विधिवत पूजा-अर्चना की जाए, तो जातकों को जीवन में सफलता मिलती है। साथ ही व्यक्ति को ग्रह दोष से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा अगर आपको मेहनत करने के बाद भी सफलता नहीं मिल रही है, तो प्रतिदिन आप कदंब के पेड़ की पूजा करें।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों लोगों के कदंब के पेड़ की पूजा ब्रह्म मुहूर्त में करें। ऐसा कहा जाता है कि इस पेड़ की पूजा करने से जातकों को दापत्य जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो सकती है। कदंब का पेड़ प्रेम और सुख का प्रतीक होता है। इसकी पूजा करने से जीवन में प्रेम और सुख प्राप्त होता है।

मीन राशि

मीन राशि के जातक कदंब के पेड़ की पूजा करें। जातकों को शुभ परिणाम मिल सकते हैं। वहीं कदंब का पेड़ मोक्ष और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। इसकी पूजा करने से उन्हें मोक्ष प्राप्ति में सहायता मिल सकती है।

इस तरह से करें कदंब के पेड़ की पूजा

- कदंब के पेड़ की पूजा किसी भी दिन की जा सकती है।
- इस दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने के बाद पूजा करें।
- पेड़ की जड़ों में जल चढ़ाएं और फूल अर्पित करें।
- कदंब के पेड़ की 108 परिक्रमा करें। साथ ही इस मंत्र का जाप करें।
- ॐ नमः श्री कदंबेश्वराय नमः

संस्कारशाला : डिजिटल दुविधा: ऑनलाइन और ऑफलाइन खुशियाँ - डॉ अंकुर शरण

डिजिटल युग में हंसी सर्वव्यापी हो गई है। मीम्स, वायरल वीडियो और चुटकुलों की अंतहीन धाराएं हमारी स्क्रीन पर छा जाती हैं, जो सांसारिकता से क्षणिक मुक्ति का वादा करती हैं। फिर भी, हँसी की सतह के नीचे एक परेशान करने वाली वास्तविकता छिपी है: कई लोग हँस रहे हैं, लेकिन कुछ ही वास्तव में खुश हैं। हमारे ऑनलाइन अस्तित्व का यह विरोधाभास सवाल उठाता है - मनोरंजन की खोज में, क्या हमने वास्तविक खुशी की खोज की उपेक्षा की है?

हँसी, हालांकि मानवीय अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण पहलू है, कभी-कभी गहरे भावनात्मक उथल-पुथल को छुपाने के लिए एक मुखौटा के रूप में काम कर सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, क्यूरेटेड सामग्री और त्वरित संतुष्टि पर जोर देने के साथ, अक्सर इस पहलू को कायम रखते हैं। उपयोगकर्ता मुस्कुराते चेहरों और मजाकिया टिप्पणियों से सजी फ़ीड को स्क्रॉल करते हैं, फिर भी स्क्रीन के पीछे अकेलेपन, अपर्याप्तता और चिंता की भावनाएँ बनी रहती हैं।

समस्या स्वयं हँसी नहीं है, बल्कि निरंतर संतुष्टि पर क्षणिक मनोरंजन को प्राथमिकता देना

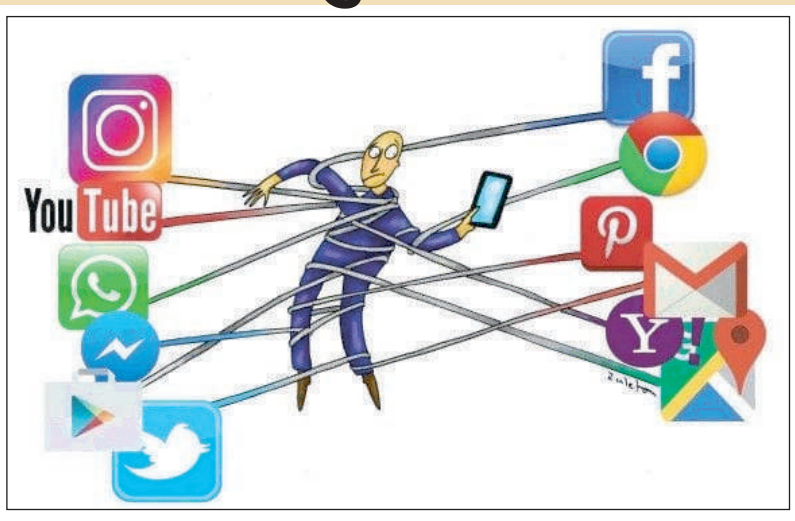

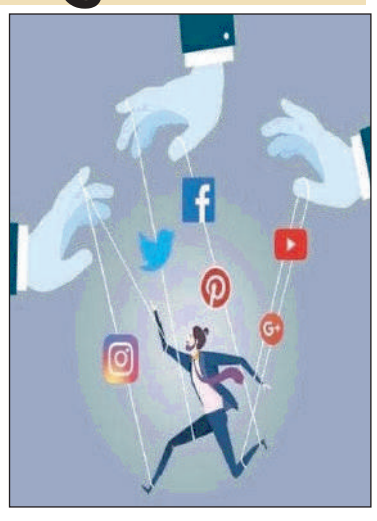

है। सच्ची खुशी आनंद के क्षणभंगुर क्षणों से परे होती है; इसमें पूर्ति, उद्देश्य और संबंध की गहन भावना समाहित है। दुर्भाग्य से, डिजिटल परिदृश्य अक्सर सतही बातचीत को बढ़ावा देता है जो भलाई के इन गहरे पहलुओं को पोषित करने में विफल रहता है।

तो, हँसी से भरी दुनिया में हम ख़ुशी कैसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं? यहां कुछ व्यावहारिक कदम दिए गए हैं:

सचेत उपभोग: आप जिस सामग्री का ऑनलाइन उपभोग करते हैं, उसके प्रति सचेत रहें। निष्क्रिय रूप से स्क्रॉल करने के बजाय, सक्रिय रूप से ऐसी सामग्री की तलाश करें जो वास्तविक संबंध को बढ़ाती हो, प्रेरित करती हो और बढ़ावा देती हो।

प्रामाणिक संबंध: आभासी तालियों की तुलना में सार्थक बातचीत को प्राथमिकता दें। उन वार्तालापों में संलग्न रहें जो सतही मजाक से परे हों और दूसरों के साथ वास्तविक संबंध विकसित करें।

ऑफ़लाइन जुड़ाव: स्क्रीन से दूर हटें और उन गतिविधियों में संलग्न हों जो आपको भौतिक दुनिया में खुशी और संतुष्टि प्रदान करती हैं। चाहे वह प्रियजनों के साथ समय बिताना हो, कोई शौक पूरा करना हो, या खुद को प्रकृति में डुबोना हो, उन अनुभवों को प्राथमिकता दें जो आपकी आत्मा को पोषण देते हैं।

कृतज्ञता अभ्यास: अपने जीवन में आशीर्वादों पर नियमित रूप से विचार करके कृतज्ञता की मानसिकता विकसित करें। कृतज्ञता आपका ध्यान अभाव से हटाकर प्रचुरता की ओर ले जाती है, जिससे खुशी और संतुष्टि की भावना बढ़ती है।

स्व-देखभाल: स्व-देखभाल प्रथाओं को प्राथमिकता दें जो आपके मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक कल्याण का पोषण करती हैं। चाहे वह ध्यान हो, व्यायाम हो, या बस आराम करने और तरोताजा होने के लिए समय निकालना हो, उन गतिविधियों को प्राथमिकता दें जो आपकी आत्मा को फिर से भर दें।

पर्यावरण पाठशाला : इस ग्रीष्मकालीन अवकाश में वन्यजीव, पक्षी एवं प्राकृतिक फोटोग्राफी के जादू की खोज करें!

गर्मी की छुट्टी, यह एक साहसिक कार्य शुरू करने का समय है जो न केवल प्रकृति के प्रति आपके जुनून को जगाता है बल्कि आपके फोटोग्राफी कौशल को भी निखारता है। वन्यजीव फोटोग्राफी की मनोरम दुनिया में एक अविस्मरणीय यात्रा के लिए पर्यावरण पाठशाला में हमसे जुड़ें।

इस गर्मी में आपको लेंस क्यों अपनाना चाहिए और जंगल में क्यों जाना चाहिए? कारण उतने ही विविध हैं जितने प्रजातियों से आपका सामना होगा। सबसे पहले, फोटोग्राफी केवल छवियों को कैप्चर करने के बारे में नहीं है; यह कहानी कहने के बारे में है। अपने लेंस के माध्यम से, आपके पास प्रकृति की अनकही कहानियों को व्यक्त करने, विस्मय और आश्चर्य पैदा करने वाले क्षणों को कैद करने और दूसरों को हमारे ग्रह के अनमोल पारिस्थितिक तंत्र को संजोने और संरक्षित करने के लिए प्रेरित करने की शक्ति है।

इसके अलावा, फोटोग्राफी सीखने से सचेतनता और प्राकृतिक दुनिया के साथ गहरे संबंधों का द्वार खुलता है। यह आपको धीमा करने, अपने आस-पास के जटिल विवरणों का निरीक्षण करने और सांसारिक सुंदरता की सराहना करने के लिए मजबूर करता है। आज की तेज़-तर्रार दुनिया में शांति और आत्मनिरीक्षण के ये क्षण अमूल्य हैं।

पर्यावरण पाठशाला में, हम सिर्फ फोटोग्राफी नहीं सिखाते; हम संरक्षण और अन्वेषण के प्रति उत्साही समान विचारधारा वाले व्यक्तियों का एक समुदाय तैयार करते हैं। इस गर्मी में, आपको अनुभवी वन्यजीव फोटोग्राफरों, अपनी कला के उस्तादों से सीखने का अवसर मिलेगा, जो लुभावने परिदृश्यों और शानदार प्राणियों के साथ मुठभेड़ के माध्यम से आपका मार्गदर्शन करते हुए अपना ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करेंगे।

एक बाघ की राजसी चाल, एक बाज की सुंदर उड़ान, या हाथियों के परिवार की चंचल हरकतों को पकड़ने के रोमांच की कल्पना करें। ये अनुभव आपको न केवल आश्चर्यजनक छवियां बल्कि ऐसी यादें भी देते हैं जो जीवन भर याद रहेंगी।

तो, इंतज़ार क्यों करें? इस गर्मी की छुट्टी में, खोज, रचनात्मकता और संरक्षण की यात्रा पर निकलें। पर्यावरण पाठशाला में हमारे साथ जुड़ें और वन्यजीव फोटोग्राफी की मनमोहक दुनिया में डूब जाएँ। आइए मिलकर प्रकृति की सुंदरता को कैद करें और एक ऐसे भविष्य को प्रेरित करें जहां हर पल को संजोया जाए और हर प्राणी की रक्षा की जाए।

अपनी सर्वश्रेष्ठ चयनित तस्वीरों के साथ अपनी सर्वश्रेष्ठ वन्य जीवन कहानी साझा करें, हम उन्हें अपने आगामी संस्करण में प्रदर्शित करेंगे और कुछ भविष्य की परियोजनाओं के लिए सहयोग करेंगे।

indiangreenbuddy@gmail.com

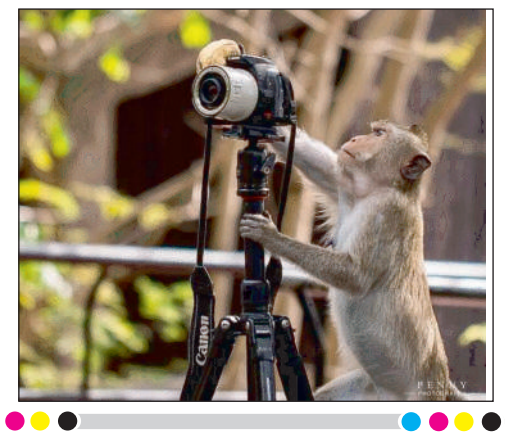

दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में वसूली रैकेट : मरीजों से उगाही, उपकरण बेचकर करते कमाई, दो डॉक्टर समेत नौ लोग गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

सीबीआई (CBI) ने दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल (RML Hospital Delhi) में वसूली रैकेट चला रहे गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एजेंसी ने दो डॉक्टर्स समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। रैकेट अस्पताल में आने वाले मरीजों से सुविधा शुल्क के नाम पर धन उगाही भी करते थे। गिरफ्तार डॉक्टर्स में से एक के पास से मरीजों से वसूले गए ढाई लाख रुपये बरामद किए गए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल (RML Hospital Delhi) में चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कमीशन लेने से लेकर चौतरफा भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलने पर सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने दो वरिष्ठ डॉक्टर सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई को इनके भ्रष्टाचार में संलिप्त होने की शिकायतें मिली थी।

इसके बाद सुबूत जुटाने के बाद कार्रवाई की गई। आरएमएल के जिन दो डॉक्टर्स को गिरफ्तार किया गया है, उनमें कार्डियोलॉजी विभाग के डा. पर्वतगौड़ा और डॉ. अजय राज शामिल हैं।

चिकित्सा उपकरण को करते सप्लाई, मरीजों से भी वसूली

इन पर खुलेआम रिश्वत लेने की सीबीआई को शिकायत मिली थी। ये सभी अस्पताल में जरूरी चिकित्सा उपकरणों की सप्लाई करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों के जरिये प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से वसूली कर रहे थे। रैकेट में शामिल स्वास्थ्यकर्मी मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए भी पैसे वसूल रहे थे।

15 ठिकानों पर की गई छापामारी

सीबीआई ने सात मई को भ्रष्टाचार समेत आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में एफआईआर की थी। एफआईआर में फिलहाल 16 डॉक्टर्स, चिकित्सा उपकरण बेचने वाले डीलरों, अस्पताल के नर्सिंग कर्मचारी व अन्य को आरोपित बनाया गया है। डॉक्टर्स और चिकित्सा उपकरणों से जुड़े डीलर्स के 15 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। सभी नौ आरोपितों को कोर्ट में पेश कर सीबीआई को छह दिन की कस्टडी रिमांड मिल गई है।

ढाई लाख रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, आरएमएल अस्पताल के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर पर्वतगौड़ा को ढाई लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। रिश्वत का यह पैसा उन्हें यूपीआई के माध्यम से मिला था। इसके अलावा अस्पताल की कैथ लैब में सीनियर टेक्निकल इंचार्ज रजनीश कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है।

ये लोग हुए गिरफ्तार

कार्डियोलॉजी विभाग में प्रोफेसर डॉक्टर अजय राज, नर्स शालू शर्मा, अस्पताल के क्लर्क भुवल जैसवाल और संजय कुमार गुप्ता समेत पांच अन्य को भी अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया गया, जिनमें चार अलग-अलग इक्यूपमेंट सप्लाई करने वाली कंपनी में काम करते हैं। सीबीआई को कार्डियोलॉजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. पर्वतगौड़ा और प्रोफेसर डॉक्टर अजय राज के चिकित्सा उपकरण बनाने व सप्लाई करने वाली कंपनियों से रिश्वत लेने की शिकायत मिली थी।

इनसे वर्षों से ली जा रही थी रिश्वत

डॉक्टर्स नागपाल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के मालिक नरेश नागपाल, साइनमेड प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अबरार अहमद, बायोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के टेरिटरी सेल्स मैनेजर आकर्षण गुलाटी, बायोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड की कर्मचारी मोनिका सिन्हा, भारती मेडिकल टेक्नोलॉजी के भरत सिंह दलाल व आरएमएल अस्पताल स्थित कैथ लैब के वरिष्ठ तकनीकी प्रभारी रजनीश कुमार मेडिकल उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति देने के लिए वर्षों से रिश्वत ले रहे थे।

खुलेआम ले रहे थे रिश्वत

पर्वतगौड़ा और अजय राज, चिकित्सा उपकरण बनाने व सप्लाई करने वाली कंपनियों के कर्मचारियों के साथ मिलकर खुलेआम रिश्वत ले रहे थे। नागपाल टेक्नोलाजीज प्राइवेट लिमिटेड के

मालिक नरेश नागपाल मरीजों पर की जाने वाली चिकित्सा प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों की आपूर्ति भी करता है। ऐसे उपकरणों का इस्तेमाल करने के लिए पर्वतगौडा, नरेश नागपाल से नियमित रूप से रिश्वत ले रहे थे।

बीते दो मई को भी पर्वतगौड़ा ने नागपाल से चिकित्सा उपकरणों के इस्तेमाल के लिए रिश्वत की मांग की थी। इस पर उन्हें आश्वासन दिया गया था कि रकम सात मई को अस्पताल में पहुंचा दी जाएगी।

भ्रष्टाचार में पांच तरह के मॉड्यूल

सीबीआई का कहना है कि भ्रष्टाचार में पांच तरह के मॉड्यूल लिप्त थे। किसी मरीज को इंस्टेंट आदि उपकरण जरूरत होने पर अस्पताल के डॉक्टर व उनके कर्मचारी मरीजों को खास कंपनी के उपकरण खरीदने के लिए दबाव बनाने थे। इतना ही नहीं ये लोग कंपनी के डीलर का मोबाइल नंबर उपलब्ध करवा उन्हें काल कर संपर्क करने को कहते थे। आरएमएल अस्पताल में चौतरफा भ्रष्टाचार का खेल लंबे समय से चल रहा था। गिरफ्तार नौ आरोपितों से पूछताछ के बाद सीबीआई इस मामले में कई अन्य को गिरफ्तार करेगी।

दिल्ली के अस्पतालों में सनसनी

आरएमएल के दो वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञों समेत अन्य की रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के मामले ने दिल्ली के अन्य सरकारी अस्पतालों में सनसनी फैला दी है। भारती मेडिकल टेक्नोलॉजी के भरत सिंह दलाल ने यूपीआई का उपयोग करके डॉक्टर अजय राज को दो बार रिश्वत दी थी। अबरार अहमद ने कैथ लैब को रिश्वत दी थी। जांच एजेंसी के मुताबिक भुवाल जायसवाल ने डाक्टरों के साथ नियुक्तियां तय करने के लिए भी रिश्वत ली, जबकि संजय कुमार ने फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों के लिए रिश्वत ली।

हाल के वर्षों में डॉक्टर्स और मेडिकल सप्लायर्स के बीच सांठगांठ के खिलाफ यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। सीबीआई ने पिछले साल सफदरजंग अस्पताल के न्यूरोसर्जन मनीष रावत को मेडिकल आपूर्तिकर्ताओं से रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

एफआईआर में सीबीआई ने इन्हें बनाया है आरोपित

- डॉक्टर पर्वतगौड़ा, सहायक प्रोफेसर, कार्डियोलॉजी विभाग, आरएमएल अस्पताल।
- डॉक्टर अजय राज, प्रोफेसर, कार्डियोलॉजी विभाग, आरएमएल अस्पताल।
- रजनीश कुमार सीनियर टेक्निकल इंचार्ज, कैथ लैब, आरएमएल अस्पताल।
- भुवाल जयसवाल, आरएमएल अस्पताल में क्लर्क।
- शालू शर्मा आरएमएल अस्पताल में नर्स।
- संजय कुमार गुप्ता, आरएमएल अस्पताल में क्लर्क।
- नरेश नागपाल, नागपाल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के मालिक।
- मेसर्स भारती मेडिकल टेक्नोलॉजी के भरत सिंह दलाल।
- अबरार अहमद, मैसर्स साइंटमेड प्रावइेट निदेशक।
- आकर्षण गुलाटी, टेरिटरी सेल्स मैनेजर, मेसर्स बायोट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड।
- मोनिका सिन्हा, मिस बायोट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड की कर्मचारी।
- नागपाल टेक्नालॉजीज, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के 104 मेहरचंद मार्केट दिल्ली और 52 मेहरचंद मार्केट दिल्ली में कार्यालय हैं।
- मेसर्स भारती मेडिकल टेक्नोलॉजी, द्वितीय तल, 27 क्रोस रीवर मॉल, प्लॉट नंबर नौबी, 3 डिवीजन, सीबीएसई, विश्वास नगर, शाहदरा।
- मेसर्स साइनमेड प्राइवेट लिमिटेड, 216, द्वितीय तल, लिविंग स्टाइल मॉल, जसोला।
- मैसर्स बायोट्रॉनिक्स प्रा. लिमिटेड, यूनिट

नई दिल्ली में सबसे अधिक तो दक्षिणी में उतरे सबसे कम उम्मीदवार, 238 नामांकन हुए रद्द; 129 मैदान में

राजधानी में मंगलवार को प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच की गई। इस दौरान दिल्ली में 265 प्रत्याशियों द्वारा भरे गए 367 नामांकन पत्रों में से 238 नामांकन पत्र रद्द कर दिए गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार ज्यादातर निर्दलीय छोटे दलों के कुछ उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों में गलतियां पाए जाने के कारण उसे रद्द किया गया है।

नई दिल्ली। राजधानी में मंगलवार को प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच की गई। इस दौरान दिल्ली में 265 प्रत्याशियों द्वारा भरे गए 367 नामांकन पत्रों में से 238 नामांकन पत्र रद्द कर दिए गए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार ज्यादातर निर्दलीय, छोटे दलों के कुछ उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों में गलतियां पाए जाने के कारण उसे रद्द किया गया है।

129 प्रत्याशी मैदान में

इसके अलावा प्रमुख दलों के प्रत्याशियों के कवरिंग कैंडिडेट के नामांकन रद्द किए गए हैं। इसके बाद दिल्ली के चुनावी मैदान में अब 129 प्रत्याशी बचे हैं।

दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से हुए 36 नामांकन में से 29 रद्द हो चुके हैं। इसलिए इस क्षेत्र से सबसे कम सात प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं।

नौ मई नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि है। उस दिन कोई प्रत्याशी अपना नामांकन वापस लेता है तो इस आंकड़े में बदलाव हो सकता है।

पिछले बार की तुलना में इस बार नामांकन अधिक हुए

पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार नामांकन अधिक हुआ था। लेकिन इस बार नामांकन रद्द भी अधिक हुआ है।

दिल्ली को शानदार स्काई वॉक की सौगात, स्मार्ट लाइट, पार्किंग एरिया, एलईडी स्क्रीन, लिफ्ट, एस्केलेटर, वाई-फाई से है लैस

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली का सबसे शानदार और आधुनिक स्काईवॉक बन कर सभी लोगो के लिए चालू कर दिया गया है. दिल्ली में बना यह स्काईवॉक अब तक का सबसे शानदार स्काईवॉक है. इसमें दी गई सुविधा का लिस्ट देख कर लगता है यह कोई रोड पार करने वाला वाक ओवर ब्रिज नहीं बल्कि एक मल्टीप्लेक्स या मॉल है. इसमें कई तरह के आधुनिक सुविधा दी गई है. यह स्काईवॉक दिल्ली में नेहरु प्लेस में स्थित है. यह नवनिर्मित स्काईवॉक नेहरु प्लेस मार्केट और नेहरु प्लेस मेट्रो स्टेशन को आपस में जोडती है. इसके निर्माण से पहले नेहरु प्लेस मार्केट जाने वाले लोग मेट्रो से उतर कर वहां एक रोड क्रॉस करते हुए मार्केट में प्रवेश करना होता है. वो रोड काफी व्यस्त रोड है. कई बार लोगो को सामान हाथ में लिए दौड़ते रोड क्रॉस करते हुए देखा गया है. लेकिन अब इस समस्या से छुटकारा मिल रहा है. अब आप डायरेक्ट मेट्रो परिसर से नेहरु प्लेस मार्केट परिसर में इस नए स्काईवॉक से जरिये पहुच सकते है. इसमें वाई-फाई की सुविधा भी दी गई है. इस प्रोजेक्ट को पूरा होने में पुरे 4 साल का लम्बा वक़्त लगा है. साथ इसमें 75 करोड़ का लागत आई है. दिल्ली के सबसे बड़े इलेक्ट्रोनिक मार्केट, कंप्यूटर मार्केट का यह वाक ओवर ब्रिज में लिफ्ट, एस्केलेटर और दिव्यांग जानो के लिए रैंप की सुविधा दी गई है. इसके लिए पार्किंग और रात में लाइट के लिए स्मार्ट लाइट की सुविधा भी है. आपातकालीन स्थिति के लिए इसमें फायर फाइटिंग सिस्टम भी लगाया गया है. विज्ञापन या फिर विसुअल्स के लिए एलईडी और साउंड सिस्टम भी लगाये गए है. लोगो की किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए शोचालय की भी व्यवस्था है।

83 विचाराधीन कैदियों को कंपनियों ने की नौकरी देने की पेशकश, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में लगा रोजगार मेला

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट परिसर विचाराधीन कैदियों को रोजगार देने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में कंपनियों ने 83 विचाराधीन कैदियों को रोजगार देने की पेशकश की है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य विचाराधीन कैदियों का पुनर्वास करना और उन्हें आवश्यक कौशल से युक्त कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है ताकि उनके दोबारा अपराध की ओर जाने की आशंका कम हो।

नई दिल्ली। मैं लगभग नौ वर्ष पहले दिल्ली घूमने आई थी, तब किसी मामले में मुझे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इतने वर्षों तक जेल में रहते-रहते मेरा आत्मविश्वास कमजोर हो गया था। यही सोचती रहती थी कि बाहर आकर क्या गुजर-बसर कैसे करूंगी, नौकरी कौन देगा। ये कहना था राउज एवेन्यू कोर्ट परिसर के अंदर रोजगार मेले में नौकरी की चाह लिए आई एक महिला का।

महिला ने बताया कि वो आठ वर्ष छह माह तक तिहाड़ जेल में बंद थी। उसे इसी वर्ष जनवरी 2024 में नियमित जमानत मिली है। उसने बताया कि इतने वर्षों बाद जमानत मिलने के बाद जब वो बाहर आईं तो उसे नहीं पता था कि उसकी नौकरी की इच्छा इतनी जल्दी पूरी हो जाएगी। उसने बताया कि दो से तीन कंपनियों ने उसे 10 से 15 हजार रुपये प्रतिमाह की नौकरी की पेशकश की है।

दरअसल, विचाराधीन कैदियों को रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद के लिए दिल्ली राज्य विधि सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) ने प्रोजेक्ट सक्षम के तहत रोजगार मेला का आयोजन किया था। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य विचाराधीन कैदियों का पुनर्वास करना और उन्हें आवश्यक कौशल से युक्त कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है ताकि उनके दोबारा अपराध की ओर जाने की आशंका कम हो।

10 राज्यों के 100 से अधिक विचाराधीन कैदी हुए शामिल

रोजगार मेले में विचाराधीन कैदियों को विशेषरूप से आतिथ्य प्रबंधन (हास्पिटैलिटी मैनेजमेंट) के क्षेत्र में रोजगार के अवसर दिए गए। इसमें 10 राज्यों के 100 से अधिक विचाराधीन कैदी आए हुए थे। हास्पिटैलिटी, फूड सर्विस और हेल्थकेयर सेक्टर की कंपनियों ने 83 से ज्यादा पात्र विचाराधीन कैदियों को आशय पत्र (एलओआइ) देकर रोजगार की पेशकश की।

डीपफेक के मामले पर अब तक कार्रवाई करने में विफल रही केंद्र सरकार : दिल्ली हाईकोर्ट

दिल्ली हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि अब तक इस मुद्दे पर केंद्र सरकार कार्रवाई करने में विफल रही है जबकि उसे इस मुद्दे पर विचार करने के साथ ही कार्रवाई करनी चाहिए। अदालत ने पूछा कि क्या आप कार्रवाई करने को तैयार हैं और कार्रवाई करने जा रहे हैं? अदालत ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। डीपफेक वीडियो (Deepfake Video) को लेकर एक वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट (Delhi High Court) ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से जवाब मांगते हुए अहम टिप्पणी की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने टिप्पणी की कि अब तक इस मुद्दे पर केंद्र सरकार कार्रवाई करने में विफल रही है, जबकि उसे इस मुद्दे पर विचार करने के साथ ही कार्रवाई करनी चाहिए।

अदालत ने कहा कि राजनीतिक दल भी अब चुनाव के दौरान इस तरह के डीपफेक के दुरुपयोग की शिकायत कर रहे हैं। मुख्य पीठ ने कहा कि अदालत कई महीने से केंद्र सरकार को

बता रही है कि सरकार को विचार करना होगा।

चार सप्ताह के अंदर मांगा जवाब

अदालत ने पूछा कि क्या आप कार्रवाई करने को तैयार हैं और कार्रवाई करने जा रहे हैं? अदालत ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले में अगली सुनवाई 19 जुलाई को होगी।

याचिका में क्या की गई मांग

वरिष्ठ पत्रकार ने याचिका दायर कर डीपफेक के निर्माण को सक्षम करने वाले प्लेटफॉर्म्स और मोबाइल ऐप की पहचान करने और उन तक पहुंच को बाधित करने का निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उन्हें डीपफेक के खतरों के बारे में तब पता चला जब उन्हें इंटरनेट मीडिया पर उनके चेहरे और आवाज का उपयोग करते हुए मधुमेह और वजन घटाने के उपचार की सिफारिश करने वाले एक फर्जी वीडियो की जानकारी हुई।

यह भी कहा कि उन्होंने फर्जी वीडियो को हटाने का प्रयास किया, लेकिन पाया कि ऐसे वीडियो को पहचानने और हटाने के लिए कोई तंत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नोएडा पुलिस के साइबर सेल में शिकायत दर्ज की, लेकिन किसी भी अपराधी को पकड़ा नहीं गया है।

उन्होंने कहा कि डीपफेक के संबंध में शिकायत मिलने के 12 घंटे के भीतर कार्रवाई व सामग्री के संबंध में छह घंटे के भीतर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश देने की मांग की कि इंटरनेट मीडिया कंपनियों को संबंधित व्यक्ति से शिकायत मिलने पर डीपफेक को हटाने का निर्देश दिया जाए।

सैम पित्रोदा के विवादित बयान पर आया संजय सिंह का बयान, कहा- उनकी नस्लवादी टिप्पणी का...

परिवहन विशेष न्यूज

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि आई. एन. डी. आई. ए. के किसी भी सदस्य ने कांग्रेस के पूर्व नेता सैम पित्रोदा की नस्लवादी टिप्पणी का समर्थन नहीं किया।

नई दिल्ली। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि आई. एन. डी. आई. ए. के किसी भी सदस्य ने कांग्रेस के पूर्व नेता सैम पित्रोदा की नस्लवादी टिप्पणी का समर्थन नहीं किया। मालूम हो कि पित्रोदा ने अपनी उत्तरपूर्व के लोग चीनियों जैसे और दक्षिण के लोग अफ्रीकियों जैसे दिखते हैं, वाली टिप्पणी से बुधवार को एक और विवाद खड़ा कर दिया।

संजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने पित्रोदा की टिप्पणियों से खुद को दूर कर लिया है और इसे दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी खुद को टिप्पणियों से पूरी तरह से अलग करती है।

संजय सिंह ने भाजपा पर बोला हमला

संजय सिंह ने भाजपा पर भी हमला बोला और भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को राम मंदिर के शिलान्यास के लिए नहीं बुलाया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को राम मंदिर के अभिषेक समारोह के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था।

भेदभाव का लगाया आरोप

उन्हें संसद के उद्घाटन के लिए क्यों नहीं बुलाया गया? सिंह ने कहा ये लोग केवल भेदभाव करते हैं और दलितों और पिछड़ी जाति के लोगों के प्रति गलत भावना और नफरत रखते हैं। आरएसएस के लोग कहते हैं कि आरक्षण नहीं होना चाहिए।

मैं BJP छोड़ने के बजाय... कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए अरविंदर सिंह लवली ने क्यों कही ये बात

अरविंदर सिंह लवली पूर्व मंत्री राज कुमार चौहान नसीब सिंह और अमित मलिक सहित दिल्ली कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ पिछले सप्ताह भाजपा में शामिल हुए। लवली ने बुधवार को कहा कि वो राजनीति छोड़ देंगे लेकिन भाजपा नहीं छोड़ेंगे। कांग्रेस छोड़ने के बाद लवली ने कहा कि पिछली बार मैंने गुस्से के कारण कांग्रेस छोड़ने का फैसला लिया था।

नोएडा। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए अरविंदर सिंह लवली ने बुधवार को कहा कि वो राजनीति छोड़ देंगे, लेकिन भाजपा नहीं छोड़ेंगे। लवली ने पहले कांग्रेस छोड़ दी थी और अप्रैल 2017 में मलिक के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। हालांकि कुछ महीनों के भीतर वह 2018 में वापस कांग्रेस में शामिल हो गए।

लवली पूर्व मंत्री राज कुमार चौहान, नसीब सिंह और अमित मलिक सहित दिल्ली कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ पिछले सप्ताह भाजपा में शामिल हुए। लवली 2018 से कांग्रेस में थे। उन्होंने दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पसंद को लेकर पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेद के चलते कांग्रेस छोड़ दी थी।

कांग्रेस छोड़ने के बाद लवली ने कहा कि पिछली बार मैंने गुस्से के कारण कांग्रेस छोड़ने का फैसला लिया था। हालांकि, इस बार हमने ठंडे दिमाग और बहुत सोच-विचार के साथ फैसला लिया है। अब हम बीजेपी में ही राजनीति करेंगे या राजनीति छोड़ देंगे।

लवली के साथ आए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि वह और अन्य नेता पार्टी में अपनी भूमिका तय करने के लिए स्वतंत्र होंगे। लवली ने कहा कि किसी भी पार्टी में कार्यकर्ता की भूमिका सबसे अहम होती है और उन्हें जहां भी जाने को कहा जाएगा, वह उस भूमिका को निभाएंगे और पार्टी के लिए प्रचार करेंगे।

लवली दिल्ली चुनाव के लिए भाजपा के 40 स्टार प्रचारकों में से एक हैं। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में दिल्ली कांग्रेस के कई अन्य नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

करोड़ों का आशियाना लेकिन पीना पड़ रहा सीवर का पानी, 700 से ज्यादा बीमार; साया गोल्ड एवेन्यू पहुंची WHO की टीम

गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित इंदिरापुरम की साया गोल्ड एवेन्यू सोसायटी में सीवर मिश्रित पानी पीने से 700 से ज्यादा लोग बीमार हो चुके हैं।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित इंदिरापुरम की साया गोल्ड एवेन्यू सोसायटी में सीवर मिश्रित पानी पीने से 700 से ज्यादा लोग बीमार हो चुके हैं। गाजियाबाद की इस सोसायटी का मामला अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation) तक जा पहुंचा है। बुधवार सुबह साया गोल्ड एवेन्यू सोसायटी में WHO की टीम पहुंची है। टीम यहां पानी की जांच कर सकती है, साथ ही लोगों की शिकायत भी ले सकती है।

हर्ष कुमार छोड़ेंगे जजपा, पूर्व विधायक सुभाष चौधरी 5 मई को करेंगे भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ महापंचायत

हर्ष कुमार ने पार्टी छोड़ने का एलान करने के लिए आज पत्रकार वार्ता बुलाई है। जाट नेता पूर्व मंत्री हर्ष कुमार का हथीन होडल तथा पलवल विधानसभा में अच्छी गहरी पैंठ है। हथीन से वे दो बार विधायक रह चुके हैं। पलवल जिले में उसका काफी गहरा असर है। हर्ष कुमार के नजदीकियों के अनुसार हर्ष कुमार बहुत जल्द कांग्रेस में शामिल होंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

पलवल। पलवल जिले में जजपा को बड़ा झटका लगने जा रहा है। पार्टी के महासचिव व पूर्व मंत्री हर्ष कुमार आज जजपा को अलविदा कह देंगे। उन्होंने पार्टी छोड़ने का एलान करने के लिए आज पत्रकार वार्ता बुलाई है।

इस दौरान व जजपा से अलविदा होने की घोषणा करेंगे। संभावना है कि पूर्व मंत्री हर्ष कुमार बहुत जल्द कांग्रेस का दामन थामेंगे। वर्ष 1996 में चौधरी बंसीलाल की हरियाणा विकास पार्टी में सिंचाई मंत्री रहे हर्ष कुमार हथीन विधानसभा से चुनाव लड़ते आए हैं।

हथीन से दो बार रह चुके हैं विधायक

जाट नेता पूर्व मंत्री हर्ष कुमार का हथीन, होडल तथा पलवल विधानसभा में अच्छी गहरी पैंठ है। हथीन से वे दो बार विधायक रह चुके हैं। पलवल जिले में उनका काफी गहरा असर है।

हर्ष कुमार के नजदीकियों के अनुसार हर्ष कुमार बहुत जल्द कांग्रेस में शामिल होंगे। बताया तो यह भी गया है कि हथीन में एक बड़ी रैली कर अपनी ताकत के साथ हर्ष कुमार कांग्रेस ज्वाइन करेंगे। उनके कांग्रेस में शामिल होने से कांग्रेस उम्मीदवार को इसका फायदा होगा।

सुभाष चौधरी ने कांग्रेस का समर्थन क रने का किया एलान

वहीं दूसरी तरफ पलवल से भाजपा नेता व पूर्व विधायक सुभाष चौधरी ने भी कांग्रेस का समर्थन करने खुला एलान कर दिया है। उन्होंने आगामी 5 मई को फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के लोगों की महापंचायत पलवल में बुलाई है।

सुभाष चौधरी ने बताया कि आगामी 5 मई को महापंचायत करके कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी महेंद्र प्रताप को समर्थन किया जाएगा। भाजपा में रहते हुए इस तरह से विरोध पर उतरे सुभाष चौधरी भाजपा प्रत्याशी के लिए मुसीबत बने हुए हैं।

पलवल विधानसभा में सुभाष चौधरी का अपना एक अलग ही महत्व है। लोगों में उनकी काफी गहरी पैंठ है। राजनीति के जानकारों की मानें तो सुभाष चौधरी व हर्ष कुमार के कांग्रेस को खुला समर्थन से कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान होगी।

वहीं हथीन के पूर्व विधायक केहर सिंह भी भाजपा से दूरी बनाए हुए हैं। पूर्व विधायक करण दलाल के समर्थन में पंचायत में खुलकर आए थे। पता चला है कि केहर सिंह का रुख भी कांग्रेस की तरफ है। इसके अलावा पृथला से भाजपा नेता और पूर्व विधायक टेकचंद शर्मा भी भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ बयान दे चुके है।

महिला ने प्रॉपर्टी डीलर को किया ब्लैकमेल, दुष्कर्म के मामले में फंसाने की दी धमकी

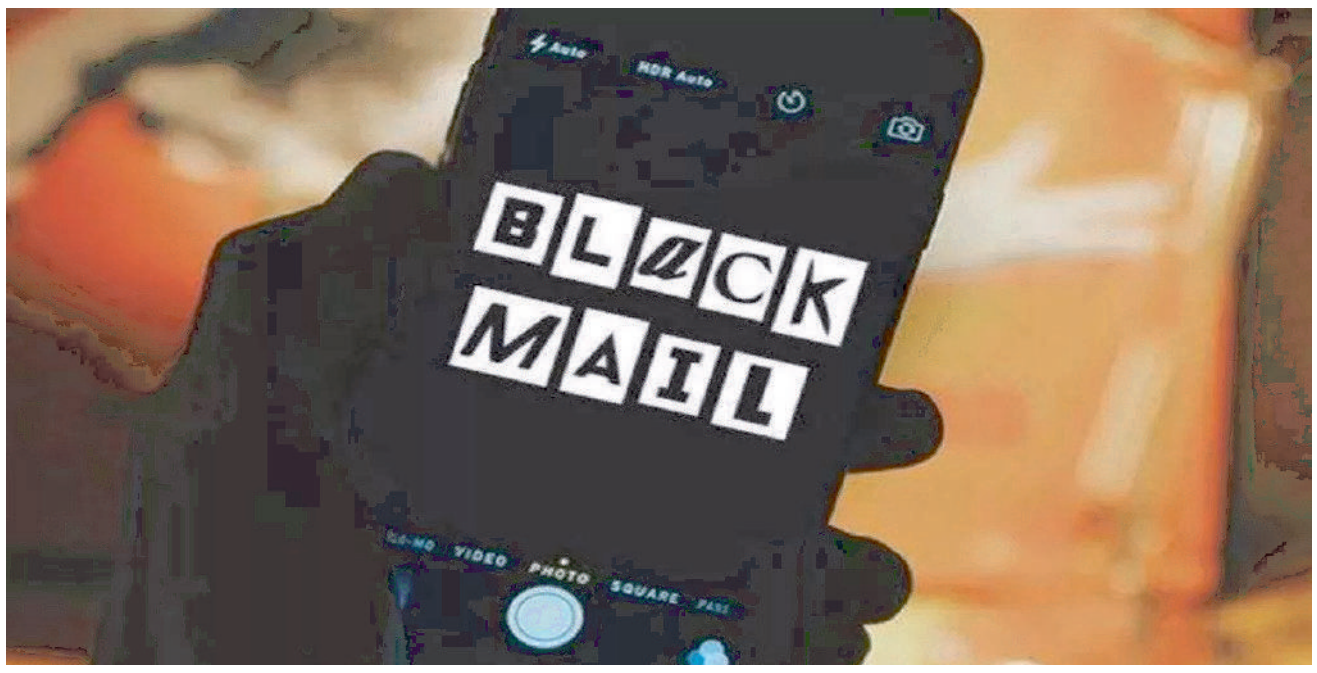

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद के सेक्टर-85 स्थित एक ऑफिस में प्रॉपर्टी डीलर को महिला ने दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। खेड़ीपुल थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कमल सिंह ने शिकायत में बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलर है और उनका ऑफिस सेक्टर-85 में है। दो मई को सुबह दिशा नाम से एक महिला की वाट्सएप कॉल आई।

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-85 स्थित एक ऑफिस में प्रॉपर्टी डीलर को महिला ने दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। खेड़ीपुल थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

खेड़ीपुल थाने में पलवल निवासी कमल सिंह ने दी शिकायत में बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलर है और उनका ऑफिस सेक्टर-85 में है। दो मई को सुबह दिशा नाम से एक महिला की वाट्सएप कॉल आई। उसने उससे कहा कि उसे एक प्रॉपर्टी खरीदनी है। इसके बारे में आपसे बात करनी है और मिलना है।

कॉल कर मांगा ऑफिस लोकेशन

उसने उससे ऑफिस आने को कहा। शाम को महिला ने उससे ऑफिस की लोकेशन मांगी। महिला ने उससे कहा कि आपने एक निजी अस्पताल के खिलाफ एक शिकायत दी हुई है। उसे वापस ले लो। उसने उसे झूठे दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी दी। उसने पूर्व में हुए कुछ केसों के बारे में उसे बताया।

उसने पुलिस को बताया कि राजेश अस्पताल का कर्मचारी है। वह दोनों मिलकर बहुत बुरा हाल कर देंगे। वह उससे पैसों की डिमांड कर रही थी। कहा कि राजेश के साथ निपटारा कर ले, वरना झूठे दुष्कर्म के केस में फंसा देगी। इसलिए दिशा और राजेश के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

उन्होंने बताया कि दोनों ने कई लोगों को फंसाया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जल्द आरोपितों की गिरफ्तारी का भी दावा किया जा रहा है।

गुरुग्राम, फरीदाबाद सहित हरियाणा के इन जिलों में अगले 2 घंटे में होगी बारिश, मौसम विभाग ने दिया ताजा अपडेट

Gurugram Weather Update गुरुग्राम फरीदाबाद सहित हरियाणा के कई जिलों में आज बुधवार को मौसम बदल सकता है। मौसम विभाग से मिली ताजा जानकारी के मुताबिक अगले 2-3 घंटे के दौरान गुरुग्राम फरीदाबाद मेवात और पलवल जिलों और आसपास के इलाकों में बादल गर्जन/आकाशीय बिजली/तेज हवाएं चलने की संभावना है। हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटे हो सकती है।

गुरुग्राम। गुरुग्राम, फरीदाबाद सहित हरियाणा के कई जिलों में भीषण गर्मी के बीच आज बुधवार को मौसम बदल सकता है।

मौसम विभाग से मिली ताजा जानकारी के मुताबिक, अगले 2-3 घंटे के दौरान गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात और पलवल जिलों और आसपास के इलाकों में बादल गर्जन/आकाशीय बिजली/तेज हवाएं चलने की संभावना है। हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटे हो सकती है।

हवाओं से भी नहीं मिली राहत

दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह चली तेज हवाओं से भी लगातार बढ़ रही गर्माहट में कमी नहीं आई है। आलम यह रहा कि मंगलवार का दिन इस सीजन का सबसे गर्म था तो बुधवार को सुबह भी सबसे गर्म रही।

कल मंगलवार तक दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चल रहा था, लेकिन आज दो डिग्री ऊपर दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने दिन में आंशिक बादल छाए रहने और धूप भी खिली रहने का पूर्वानुमान जारी किया है।

बुधवार की सुबह रही सबसे गर्म

बुधवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री दर्ज हुआ। यह इस सीजन में अभी तक का सबसे ज्यादा है। अधिकतम तापमान 41 से 42 डिग्री रह सकता है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से 10 और 11 तारीख को मौसम कुछ करवट ले सकता है। हल्की वर्षा भी हो सकती है। तब तक दिन और सुबह के तापमान एवं गर्मी की चुभन दोनों में ही वृद्धि होती रहेगी।

दूसरी तरफ दिल्ली की हवा फिर से खराब चल रही है। सुबह नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 250 दर्ज किया गया जो 'खराब' श्रेणी में आता है।

भारत जेनोफोबिक नहीं बसुधैव कुटुंबकम का प्रबल पक्षधर, अपनी गिरेबां में झांकें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन

कमलेश पांडेय

बाइडन का यह कहना कि यदि रूस और चीन के साथ जापान प्रवासियों को अधिक अपनाएगा तो आर्थिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करेगा। उन्होंने वहां उपस्थित लोगों से सवालिया लहजे में पूछा भी कि- चीन आर्थिक रूप से इतनी बुरी तरह क्यों रूक गया है?

प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'सर्वे भवंतु सुखिनः' जैसा उदात्त विचार रखने वाले भारत को यदि कोई जेनोफोबिक यानी विदेशियों से द्वेष रखने वाला ठहराए, तो ये उसकी अपनी मर्जी है, खुदगर्जी है। जी हां, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले दिनों वाशिंगटन में प्रवासियों की एक बैठक में जब यह कहा कि भारत, चीन, जापान और रूस की जेनोफोबिक (विदेशियों से द्वेष वाली) प्रकृति उनकी आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार है, तो दुनिया के थानेदार की रणनीतिक विवशता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही थी। उनकी इस टिप्पणी के गहरे सियासी मायने हैं, जिन्हें वैश्विक कूटनीति के लिहाज से समझने की जरूरत है। क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति जब कुछ बोलता है तो वह अनायास नहीं होता, बल्कि रणनीतिक होता है, जिसके शब्द-शब्द में दुनियावी संघर्ष के सूत्र और पारस्परिक जद्दोजहद के भाव चतुराई पूर्वक गूंथे गए होते हैं।

बाइडन का यह कहना कि यदि रूस और चीन के साथ जापान प्रवासियों को अधिक अपनाएगा तो आर्थिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करेगा। उन्होंने वहां उपस्थित लोगों से सवालिया लहजे में पूछा भी कि- चीन आर्थिक रूप से इतनी बुरी तरह क्यों रूक गया है? जापान को परेशानी क्यों हो रही है? रूस और भारत क्यों परेशान हैं? क्योंकि वे जेनोफोबिक हैं। वे प्रवासी नहीं चाहते। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि अमेरिका तो शुरू से ही प्रवासियों की भूमि रही है। जब ब्रिटिश साम्राज्य में सूरज अस्त नहीं होता था, तब से अमेरिका खुद को मजबूत बना रहा था। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ग्रेट ब्रिटेन का रुतबा कम होने लगा और उसके अभिन्न मित्र के रूप में अमेरिका का प्रभुत्व बढ़ने लगा।

हालांकि जब यूएसए और यूएसएसआर (सोवियत संघ) यानी अमेरिका और रूस में शीतयुद्ध बढ़ा और भारत जब रूस के करीब आया तो अमेरिका ने चीन-जापान से नजदीकियां बढ़ा लीं। वहीं, भूमंडलीकरण और नई आर्थिक नीतियों के चलते जब सोवियत संघ बिखर गया और रूस अपेक्षाकृत कमजोर पड़ गया तो अमेरिका ने भारत पर भी डोरे डाले और रूस-चीन की नजदीकियां बताकर भारत के अभिन्न मित्र बनने का स्वांग रचने लगा। इन तमाम रणनीतिक कसरतों के पीछे अमेरिका का सिर्फ और सिर्फ यही उद्देश्य है कि वह दुनिया का थानेदार बना रहे।

वहीं, बदलते वैश्विक परिवेश में जब भारत में मोदी सरकार आई और पिछले एक दशक में ताबड़तोड़ रणनीतिक और कूटनीतिक फैसले लेते हुए भारतीय गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत को मजबूती पूर्वक अपनाए रखा और अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में भारतीय हितों को तरजीह देना शुरू किया तो अमेरिका, चीन और रूस का नजरिया भारत के प्रति बदलने लगा। फ्रांस और जापान से भारत के मजबूत रिश्ते भी कइयों को चुभने लगे। यह कड़वा सच है कि एक तरफ रूस यूक्रेन में अमेरिकी चाल में फंस गया तो दूसरी तरफ चीन ताइवान में फंसने को तैयार बैठा है, जबकि भारतीय नेतृत्व ने सूझबूझ से काम लिया और चीन-पाकिस्तान से जुड़े अमेरिकी गेम प्लान में फंसने से इंकार कर दिया। यहीं से अमेरिकी नेतृत्व भारत से चिढ़ने लगा और हाल के दिनों में अपनी अटपटी बयान बाजियों से यह संकेत देने लगा कि वह भारत और उसके मित्र जापान को भी रूस और चीन के तराजू पर ही तौलना चाहता है, जो उसकी रणनीतिक भूल है। भारत का मित्र देश इजरायल जब फिलिस्तीन संघर्ष में उलझा तो अमेरिकी इफ एंड बट से उसे मजबूती नहीं बल्कि कमजोरी मिली। इससे साफ है कि एक मित्र के रूप में दुनिया का थानेदार अमेरिका किसी का भरोसेमंद नहीं है। पाकिस्तान से अफगानिस्तान तक उसकी चालें किसी से छिपी हुई नहीं हैं।

ऐसे माहौल में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अर्थव्यवस्था के बहाने ही सही, लेकिन भारत समेत रूस, चीन और जापान पर निशाना साधना यह जाहिर करता है कि रूस से लेकर चीन तक और ईरान से लेकर अफ्रीका तक विभिन्न मोर्चे पर घिरे अमेरिका के पास अब मित्रों के साथ शत्रुओं सरीखा व्यवहार करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। ऐसा इसलिए कि उसके मित्र देश अमेरिकी हथियार लॉबी की चालों में अब और फंसना नहीं चाहते। शायद इसलिए उन्हें प्रवासियों की याद आई है, जो अमेरिका

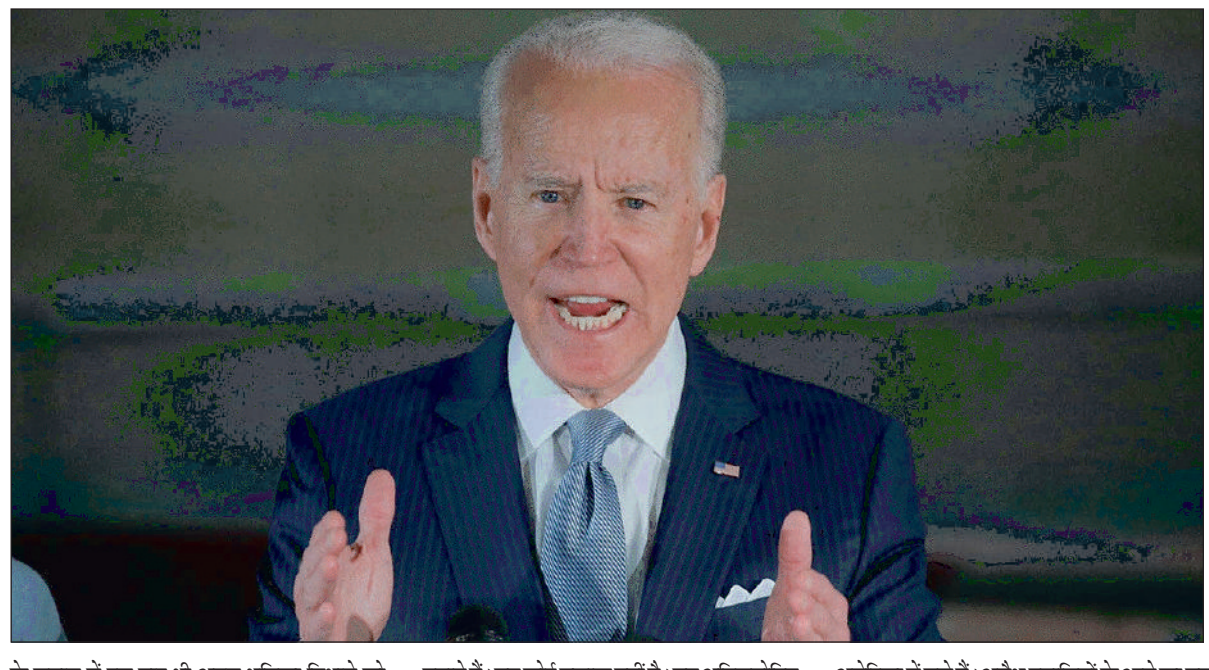

के चुनाव में इस बार भी अहम भूमिका निभाने को बेताब नजर आ रहे हैं।

इन प्रवासियों को ही सम्बोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि, ₹आप जानते हैं, हमारी अर्थव्यवस्था के बढ़ने का एक कारण आप और कई अन्य लोग हैं। क्योंकि हम प्रवासियों का स्वागत करते हैं। हम इसके बारे में सोचते हैं। ऐसा इसलिए कि प्रवासी ही हमें मजबूत बनाते हैं। यह कोई मजाक नहीं है। यह अतिशयोक्ति नहीं है। हमारे पास ऐसे श्रमिकों की आमद है, जो यहां रहना चाहते हैं और सिर्फ योगदान देना चाहते हैं।₹

गौरतलब है कि प्रवासियों का आना अमेरिकी राजनीति में प्रमुख मुद्दा है। नवंबर 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में यह निश्चित रूप से अहम भूमिका निभाएगा। आंकड़े बताते हैं कि 2021 के बाद से प्रतिवर्ष 20 लाख लोग अवैध रूप से सीमा पार कर अमेरिका में घुसे हैं। अवैध प्रवासियों के आने का यह अब तक का उच्चतम स्तर है। वहीं, अमेरिकी नेतृत्व को यह पता होना चाहिए कि उनके देश में प्रवासी भारतीयों की भी अच्छी खासी तादात है। इसलिए भारत और जापान के बारे में उनको वैसी राय नहीं रखनी चाहिए, जैसा कि वो रूस और चीन के बारे में रखने को आदि हो चुके हैं। अमेरिका का दूरगामी हित इसी बात में निहित है।

नए सेडोना एडिशन के साथ आई लैंड रोवर डिफेंडर, इंजन के साथ मिले ये अपडेट

परिवहन विशेष न्यूज

Tata मोटर्स के स्वामित्व ब्रिटिश वाहन निर्माता Land Rover Jaguar की Defender को कंपनी की ओर से नए Sedona Edition के साथ पेश किया गया है। इसके अलावा कंपनी की ओर से डिफेंडर सीरीज को नए दमदार इंजन और कुछ खास अपडेट के साथ लाया गया है। कंपनी ने एसयूवी में किस तरह के अपडेट्स दिए हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। दुनियाभर में ऑफ रोडिंग क्षमता के साथ ही लग्जरी एसयूवी बनाने वाली कंपनी JLR ने अपनी Defender रेंज को अपडेट किया है। इसके साथ ही कंपनी ने नए Sedona Edition को भी पेश किया है। डिफेंडर रेंज में कंपनी की ओर से किन अपडेट्स को जोड़ा गया है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

लॉन्च हुआ Sedona Edition

लैंड रोवर डिफेंडर में कंपनी की ओर से नए Sedona Edition को पेश किया है। कंपनी ने इस एडिशन को डिफेंडर 110 में पेश किया है। जिसमें सेडोना रेड कलर को एक्सटीरियर में दिया गया है और इस पर ब्लैक रंग से ड्यूल टोन थीम को ऑफर किया जा रहा है। इस एडिशन के साथ कंपनी 22 इंच के ब्लैक अलॉय व्हील्स को भी दे रही है। वहीं इसके केबिन में एबॉनी विंडसर लैदर को ऑफर किया जा रहा है।

Defender 130 में मिलेगी कैप्टन सीट्स

डिफेंडर 130 में दूसरी रो के बैठने वालों के लिए कंपनी ने कैप्टन सीट्स को दिया है। जिसमें यात्रियों को काफी ज्यादा आराम मिलेगा। कैप्टन सीट्स के कारण अब एसयूवी की तीसरी रो तक पहुंचना काफी आसान हो जाएगा। इसमें हीटिंग और वेंटिलेटिड तकनीक को भी इस तरह से दिया गया है, जिससे दूसरी पंक्ति में यात्रा करने वालों को सफर के दौरान काफी ज्यादा आराम मिलता है। यह एक्स-डायनेमिक एचएसई पर सिग्नेचर इंटीरियर पैक के हिस्से के रूप में भी उपलब्ध हैं।

मिलेगा दमदार इंजन

डिफेंडर में कंपनी ने डिफेंडर ने अब वैश्विक स्तर पर पुराने D300 इंजन की जगह एक नए D350 इंजन की शुरुआत के साथ डीजल लाइन-अप में एक शक्तिशाली अपग्रेड पेश किया है। नए इंजन से एसयूवी को 345 बीएचपी और 700 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। यह पुराने इंजन के मुकाबले 49 बीएचपी और 50 न्यूटन मीटर ज्यादा है। जिसके बाद डिफेंडर पहले से कहीं ज्यादा दमदार हो गई है।

कंपनी के अधिकारियों ने कही यह बात

डिफेंडर के एमडी मार्क कैमरून ने कहा कि डिफेंडर के लिए हमारा दृष्टिकोण लगातार सुधार करना है जो पहले से ही एक शानदार वाहन है जो कहीं भी जा सकता है और कुछ भी कर सकता है। नए सेडोना एडिशन की शुरूआत, बेहतरीन इंटीरियर विकल्प और हमारे अब तक के सबसे शक्तिशाली डिफेंडर डीजल इंजन का मतलब है कि हमारे ग्राहकों के पास अब पहले से कहीं ज्यादा विकल्प हैं। डिफेंडर 130 में नई कैप्टन सीट्स के साथ, सात लोग अब रोमांच और सामान्य सफर पर ज्यादा आराम से यात्रा कर सकते हैं।

कावासाकी ने भारतीय बाजार से हटाई 400 सीसी की यह बाइक, जानें क्या है कारण

जापान की दो पहिया वाहन निर्माता Kawasaki की ओर से दमदार इंजन और फीचर्स के साथ कई बाइक्स को भारत में ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक Kawasaki India ने अपनी 400 सीसी की बेहतरीन बाइक की बिक्री देश में बंद कर दी है। कंपनी की ओर से ऐसा किस कारण से किया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक जापानी दो पहिया निर्माता Kawasaki ने भारतीय बाजार में अपनी एक बाइक की बिक्री बंद कर दी है। जानकारी के मुताबिक 400 सीसी की बाइक को बाजार से हटा दिया गया है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि कंपनी की ओर से ऐसा किस कारण से किया गया है।

बंद हुई Kawasaki Ninja 400

भारत में कावासाकी की ओर से 400 सीसी सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Ninja400 को बंद कर दिया है। कंपनी की वेबसाइट से भी इस बाइक को हटा दिया गया है। जिसके बाद इसकी पुष्टि हो गई है कि इस बाइक को भारतीय बाजार से हटाया गया है।

क्यों हुई बंद

जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से Ninja 400 की जगह Ninja 500 ने ली है। 500 सीसी की इस बाइक को फरवरी में ही भारतीय बाजार में लॉन्च किया गया था। जिसके बाद कंपनी Ninja 400 की बची हुई यूनिट्स की ही बिक्री कर रही थी।

कितनी दमदार थी बाइक

Kawasaki Ninja 400 को साल 2018 में लाया गया था। इस बाइक को कंपनी ने 2022 में ही बीएस-6 अपडेट किया गया था। जिसके बाद इसमें 399सीसी की क्षमता का लिक्विड कूल्ड पैरलल ट्विन इंजन दिया जाता था। जिससे बाइक को 44.8 बीएचपी और 37 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता था। इसमें छह स्पीड गियरबॉक्स और स्लिपर क्लच को दिया जाता था।

कितनी ताकतवर है Ninja 500

कावासाकी निंजा 500 में कंपनी 451सीसी का पैरलल ट्विन इंजन देती है। जिससे इसे 45 बीएचपी और 42.6 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। भारत में कंपनी इस बाइक को सीबीयू के तौर पर एक्सपोर्ट करती है। जिस कारण इसकी कीमत 5.24 लाख रुपये एक्स शोरूम है।

किनसे होगा मुकाबला

भारतीय बाजार में 400 सीसी बाइक सेगमेंट में लगातार नई बाइक्स को लॉन्च किया जा रहा है। ऐसे में निंजा 500 का सीधा मुकाबला ट्रॉयम्फ स्पीड400, स्क्रैम्बलर 400, हॉर्ले डेविडसन एक्स440, अप्रीलिया आरएस 447, रॉयल एनफील्ड, हीरो मेवरिक440 जैसी बाइक्स के साथ होगा।

मारुति स्विफ्ट 2024 कल होगी लॉन्च, जानें फीचर्स, इंजन, कीमत और वेरिएंट्स की डिटेल

देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से कल Swift 2024 को लॉन्च कर दिया जाएगा। नई जेनरेशन स्विफ्ट के डिजाइन में क्या बदलाव होगा। इसमें किस तरह के फीचर्स को दिया जाएगा। इसमें कितना दमदार इंजन मिलेगा कितने वेरिएंट्स में इसे लाया जाएगा। इसे किस कीमत पर कंपनी की ओर से पेश किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। Maruti Suzuki की ओर से Swift 2024 को कल आधिकारिक तौर पर भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। चौथी जेनरेशन Swift 2024 में कंपनी की ओर से किस तरह के फीचर्स को दिया जा रहा है। इसमें कितना दमदार इंजन होगा, इसके कितने वेरिएंट्स को लाया जाएगा और इसकी संभावित कीमत क्या हो सकती है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कल लॉन्च होगी Maruti Swift 2024

भारतीय बाजार में हैचबैक कार के तौर पर काफी ज्यादा पसंद की जाने वाली Maruti Swift 2024 को कल लॉन्च कर दिया जाएगा। कंपनी की ओर से चौथी जेनरेशन स्विफ्ट में कई अहम बदलाव किए जाएंगे। जिनमें इसके डिजाइन से लेकर फीचर्स तक शामिल होंगे। इसके साथ ही इसमें एक नए वेरिएंट को भी पेश किया जाएगा।

कैसा होगा डिजाइन

पुराने वर्जन के मुकाबले नई स्विफ्ट के डिजाइन में कुछ खास बदलाव किए जाएंगे। इसमें कंपनी की ओर से फ्रंट ग्रिल, लाइट्स और बंपर में बदलाव करेगी। जिससे गाड़ी को नया लुक मिलेगा। इसके नए वर्जन में रियर डोर पर ही हैंडल को दिया जाएगा, जबकि पुराने वेरिएंट में सी-पिलर पर डोर हैंडल को दिया जा रहा था। इसके अलावा इसके इंटीरियर में डैशबोर्ड, इंफोटेनमेंट सिस्टम, इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में भी कई बदलाव होंगे।

लीक हुई जानकारी

स्विफ्ट की चौथी जेनरेशन के आधिकारिक लॉन्च से पहले ही सोशल मीडिया पर इससे जुड़ी कई जानकारियां लीक हो गईं। लीक हुई जानकारी में कार के डिजाइन, फीचर्स, वेरिएंट्स इंजन की डिटेल्स शामिल हैं।

कितने होंगे वेरिएंट

नई Swift 2024 को कंपनी कुल पांच वेरिएंट में लाएगी। इनमें LXI को बेस वेरिएंट के तौर पर लाया जाएगा। वहीं मिड वेरिएंट के तौर पर VXI और VXI (O) को ऑफर किया जाएगा। इसके टॉप वेरिएंट के तौर पर ZXI और ZXI + को दिया जाएगा।

बेस और मिड वेरिएंट्स में कैसे होंगे फीचर्स

लॉन्च से पहले गाड़ी के कई फीचर्स की जानकारी सार्वजनिक हो गई है। इसके बेस और मिड वेरिएंट्स में कंपनी प्रोजेक्टर के साथ हेलोजन लाइट्स को देगी। इनके कुछ बेस और मिड वेरिएंट्स में एलईडी डीआरएल की जगह सिल्वर रंग की क्रोम स्ट्रिप को दिया जाएगा। इसके साथ ही इन वेरिएंट्स में फॉग लैंप को भी नहीं दिया जाएगा। सामने की ओर ब्लैक स्किड प्लेट दी जाएगी। ग्लॉस फिनिश की फ्रंट ग्रिल इन वेरिएंट्स में भी मिलेगी। इन वेरिएंट्स में 14 इंच के स्टील व्हील को दिया गया है। ओआरवीएम पर टर्न इंडीकेटर मिलेंगे, लेकिन VXI वेरिएंट में रिक्वेस्ट सेंसर चाबी नहीं मिलेगी। Swift 2024 के VXI (O) वेरिएंट में पुश बटन स्टार्ट/स्टाप का फीचर भी मिलेगा, इसके साथ ही इस वेरिएंट में रिक्वेस्ट सेंसर को दिया जाएगा। इन वेरिएंट्स में डिफॉगर को दिया जाएगा, इसके अलावा रियर वाइपर, रिवर्स कैमरा नहीं दिया जाएगा। इंटीरियर में ब्लैक थीम मिलेगी। इसके साथ ही नए डिजाइन में डैशबोर्ड मिलेगा। जिसके साथ फुली ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, सात इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, स्टेयरिंग पर ऑडियो कंट्रोल मिलेंगे, लेकिन इसमें क्रूज कंट्रोल का फीचर नहीं मिलेगा। इसमें सेफ्टी के लिए छह एयरबैग को स्टैंडर्ड तौर पर दिया जा सकता है। इसके अलावा भी इसमें एबीएस, ईबीडी जैसे कई सेफ्टी फीचर्स को भी दिया जा सकता है।

सुपर लग्जरी कार रोल्स रॉयस कलिनन की सीरीज 2 एसयूवी हुई पेश, जानें क्या हैं खूबियां

नई दिल्ली। सुपर लग्जरी कार कंपनी के तौर पर दुनिया में अलग पहचान रखने वाली Rolls Royce ने Cullinan की नई सीरीज को पेश कर दिया है। कंपनी की ओर से इसमें किस तरह की खूबियों को ऑफर किया जा रहा है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Rolls Royce Cullinan Series 2 हुई पेश

Rolls Royce की ओर से दुनियाभर में खास ग्राहकों के लिए Cullinan की Series 2 को पेश कर दिया है। कंपनी की ओर से इसमें कई बेहतरीन अपडेट दिए गए हैं। इसके साथ ही इसमें कुछ नए फीचर्स को भी दिया जा रहा है। फिलहाल इसे सिर्फ पेश किया गया है, जल्द ही इसकी कीमतों की जानकारी भी कंपनी की ओर से दी जाएगी। कुलिनन सीरीज-2 के साथ ही इसके ब्लैक बेज वेरिएंट को भी कंपनी की ओर से पेश किया गया है।

कैसी हैं खूबियां

रोल्स रॉयस की ओर से कुलिनन सीरीज-2 में एक्सटीरियर से लेकर इंटीरियर में कुछ खास बदलाव किए गए हैं। कंपनी की ओर से इसमें नए एलईडी डीआरएल दिए हैं, जो इसके लोअर बंपर तक जाते हैं। जिसके साथ ही इसके फ्रंट लुक में भी हल्का बदलाव किया गया है। इसके लोअर बंपर का डिजाइन भी हल्का बदला गया है। जिससे इसे फ्रैश लुक मिल रहा है। साइड प्रोफाइल में भी एक फीचर लाइन को दिया गया है, जो ब्रेक लाइट से पिछले पहिए तक जा रही है। इसमें पुराने वर्जन के मुकाबले एक इंच बड़े टायर दिए गए हैं। अब इसमें 23 इंच के एल्यूमिनियम व्हील्स को दिया गया है। इंटीरियर में भी कई बेहतरीन बदलावों को देखा जा सकता है। सुपर लग्जरी कुलिनन में नए डिस्प्ले, अपग्रेड डैशबोर्ड, ग्लास पैनल जैसे कई बदलाव मिलेंगे। इसमें 18 स्पीकर का ऑडियो सिस्टम, 1400 वाट एम्प्लीफायर को भी दिया जा रहा है।

कितना दमदार इंजन

कंपनी की ओर से इसमें 6.75 लीटर का ट्विन टर्बोचार्ज इंजन दिया जा रहा है। जिससे इसे 571 हॉर्स पावर और 850 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है।

XUV 3XO के बाद अब महिंद्रा कर रही XUV 400 ईवी फेसलिफ्ट की तैयारी, जानें क्या मिली जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

देश की प्रमुख एसयूवी वाहन निर्माता Mahindra की ओर से हाल में ही XUV 300 के फेसलिफ्ट वर्जन XUV 3XO को लॉन्च किया गया है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में 3XO को लॉन्च करने के बाद अब कंपनी XUV 400 EV के Facelift की तैयारी कर रही है। इसे कब तक और कितने वेरिएंट में लाया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। Mahindra की ओर से जल्द ही XUV 400 EV का Facelift वर्जन पेश किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से इसकी तैयारियां की जा रही हैं। 3XO के बाद XUV 400 EV Facelift पर क्या जानकारी सामने आई है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Mahindra XUV 400 EV का Facelift होगा पेश

महिंद्रा की ओर से XUV 3XO को लॉन्च करने के बाद अब जल्द ही XUV 400 EV के Facelift वर्जन को भी कंपनी की ओर से पेश किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से इसके लिए होमोलॉगेशन दस्तावेज की जानकारी सामने आई है। जिसमें इसके और वेरिएंट्स को भी लाने की जानकारी मिल रही है।

कितनी दमदार होगी मोटर

दस्तावेज के मुताबिक फेसलिफ्ट वेरिएंट में मौजूदा वेरिएंट की तरह ही 34.5 kWh और 39.4 kWh की क्षमता की एलजीसी सेल बैटरी के विकल्प दिए जाएंगे। साथ ही तीसरे विकल्प के तौर पर 39.4 kWh क्षमता की फरासिस सेल का विकल्प भी मिल सकता है। इसमें लगी मोटर से इसे 150 पीएस की पावर मिलेगी। सिंगल चार्ज में इसे अधिकतम 456 किलोमीटर तक चलाया जा सकेगा और इसकी टॉप स्पीड भी 150 किलोमीटर प्रति घंटा तक होगी।

फीचर्स में होगा बदलाव

रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से XUV 400 Facelift में कई फीचर्स को जोड़ेगी। कंपनी की ओर से 3XO में दिए जाने वाले कई फीचर्स को 400 EV Facelift में शामिल किया जा सकता है। जिसमें नई हेडलाइट, एलईडी डीआरएल, 17 इंच अलॉय व्हील्स, रियर कनेक्टिड टेल लाइट्स, Level-2 ADAS, पैनोरमिक सनरूफ, बेहतर इंफोटेनमेंट सिस्टम, छह एयरबैग, कनेक्टिड फीचर्स आदि शामिल हैं। इसके साथ ही कुछ वेरिएंट्स में सॉफ्ट टच फीचर को भी दिया जा सकता है, जैसे 3XO के कुछ वेरिएंट्स में ऑफर किया जा रहा है।

कितने होंगे वेरिएंट्स

कंपनी की ओर से XUV 400 के मौजूदा वर्जन में EC और EL Pro वेरिएंट को ऑफर किया जाता है। लेकिन फेसलिफ्ट वर्जन में कंपनी की ओर से EC L, EC L(O), EC LL, EL LL (O), EL LH, EL LH (O), EL PH और EL PH (O) वेरिएंट में लाया जा सकता है।

कितनी होगी लंबी चौड़ी

जानकारी के मुताबिक इसकी लंबाई 4200 एमएम होगी और यह 1821 एमएम चौड़ी होगी। इसका व्हीलबेस भी 2600 एमएम का होगा। स्काई रैक के साथ इसकी ऊंचाई 1634 एमएम होगी।

ईवीएम पर भरोसा कितना जायज?

डा. संदीप पांडेय

जब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने कहा कि हम मतपत्र की ओर वापस लौटने पर विचार भी नहीं कर सकते तो उनके दिमाग में यह बात नहीं रही होगी। चंडीगढ़ के महापौर के चुनाव में हमने देखा किस तरह मतपत्र में की जा रही गड़बड़ी को कैमरे के माध्यम से पकड़ लिया गया।

जब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने कहा कि हम मतपत्र की ओर वापस लौटने पर विचार भी नहीं कर सकते तो उनके दिमाग में यह बात नहीं रही होगी। चंडीगढ़ के महापौर के चुनाव में हमने देखा किस तरह मतपत्र में की जा रही गड़बड़ी को कैमरे के माध्यम से पकड़ लिया गया। यदि यही गड़बड़ी प्रोग्राम के माध्यम से ईवीएम वीवीपीएटी में की जा रही होती तो कैमरे में पकड़ में नहीं आती और न ही वहां मौजूद अधिकारी पकड़ पाते। निर्वाचन अधिकारी व पर्यवेक्षक की जानकारी के बिना भी ईवीएम- वीवीपीएटी में हेराफेरी की सम्भावना है, इसलिए अधिकारी वर्ग जो खुलकर इस व्यवस्था का पक्ष लेता है, वह अज्ञानता में ऐसा करता है। इस तरह ईवीएम पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अपने तर्क हो सकते हैं, लेकिन मतदाता और कुछ विपक्षी पार्टियों की दलीलें अपनी जगह सही हैं। इसलिए हमें दोबारा से मतपत्र की ओर जाने पर पुनर्विचार करना चाहिए। विपक्ष की आशंकाओं का समाधान अनिवार्य है

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल के अपने फैसले में ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) व वीवीपीएटी (वोटर वेरीफायेबल पेपर ऑडिट ट्रेल) से ही चुनाव कराते रहने को जायज ठहराते हुए मतपत्र के विकल्प पर वापस जाने के सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया है। उनका मूल तर्क यह है कि प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के कई फायदे हैं, जैसे फर्जी मतदान पर रोक, मानवीय त्रुटि की गुंजाइश खत्म करना व जल्दी मतगणना हो जाना आदि। अदालत के मुताबिक प्रौद्योगिकी का ही इस्तेमाल कर इस व्यवस्था को और मजबूत बनाना चाहिए, जैसे वीवीपीएटी की पर्ची में बार कोड डालकर पर्चियों की यांत्रिक मतगणना आदि। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि बढ़ता मतदान प्रतिशत लोगों की ईवीएम में आस्था का प्रतीक है, हालांकि इस तर्क का कोई आधार नहीं है। देश के आम लोगों को सरकारी व्यवस्था में काम कराने के लिए घूस देनी पड़ती है, यहां तक कि न्यायालयों में भी अगली तारीख लेने के लिए मुंशी को पैसे देने पड़ते हैं। तो क्या हम मानेंगे कि आम लोगों का इस व्यवस्था में भरोसा है? असल में लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है। इसी तरह यदि हम उन्हें मतपत्र का विकल्प न देकर मतदान के लिए प्रेरित करें और वे ईवीएम के माध्यम से मजबूरी में मतदान करें तो क्या यह मानना चाहिए कि लोगों की ईवीएम में आस्था है? निर्वाचन आयोग के अनुसार अभी तक 25 ऐसी शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें जिस चिन्ह पर बटन दबाया गया वह नहीं दिखाई पड़ा, किंतु ये सारी शिकायतें झूठी पाई गईं।

शिकायत झूठी पाई जाने पर मतदाता के खिलाफ कार्रवाई भी हो सकती है। अब दिक्कत यह है कि शिकायतकर्ता के पास कोई सबूत तो है नहीं कि उन्होंने क्या बटन दबाया था और कौनसा चिन्ह दिखाई पड़ा, तो वे अपना दावा कैसे मजबूती से रख सकते हैं? अपने खिलाफ कार्रवाई के डर से लोग शिकायत करने से भी बचते हैं। ईवीएम के तीन हिस्से हैं -कंट्रोल इकाई, बैलट इकाई व वीवीपीएटी। इन सभी में माइक्रोकंट्रोलर लगे हैं। चूंकि यह मालूम नहीं होता कि कौनसी मशीन कहां जाएगी और जिले तक पहुंचने के बाद ये स्ट्रांग रूम में रखी जाती हैं, इसलिए उम्मीदवारों की अंतिम सूची तय होने से पहले मशीनों में कोई हेराफेरी की गुंजाइश कम है। चुनाव को जब पंद्रह दिन रह जाते हैं तब इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड या भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेडए, जो मशीन के निर्माता हैं, से एक इंजीनियर आता है जो उम्मीदवारों की अंतिम सूची के अनुसार उनके चिन्ह एक लैपटॉप कम्प्यूटर और सिम्बल लोडिंग इकाई के माध्यम से वीवीपीएटी में डालता है। बैलट इकाई में तो उम्मीदवारों के नाम व चिन्ह हाथ से मशीन के ऊपर चिपकाए जाते हैं। कंट्रोल इकाई व बैलट इकाई, जिनमें बनाए जाने के समय प्रोग्राम डाला जाता है, को नहीं मालूम रहता कि किस स्थान पर कौनसा चिन्ह है, किंतु चुनाव से तुरंत पहले वीवीपीएटी में सिम्बल लोडिंग इकाई के माध्यम से चिन्ह डाले जाते हैं, इसलिए यहां कुछ खुराफात की गुंजाइश बनती है। सिम्बल लोड्रिग इकाई से जो बिटमैप फाइल वीवीपीएटी में डाली जाती है उसमें कुछ हेराफेरी करने के संदेश दिए जा सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने इस बात को नजरअंदाज कर दिया है।

यह समझने के लिए आईआईटी दिल्ली व अमरीका से प्रशिक्षित इंजीनियर राहुल मेहता द्वारा बनाए गए ईवीएम के एक नमूने को देखना होगा। इसमें विपक्षी दलों के चिन्हों को, काले शीशे की आड़ में, जिताने वाले चिन्ह में परिवर्तित कर दिया जाता है। इस मशीन का प्रोग्राम इसी तरह लिखा गया है। हालांकि यह नहीं कहा जा रहा कि निर्वाचन आयोग की मशीन में भी यही किया जा रहा होगा, किंतु वह अपनी मशीन, कीमत अदा करने पर भी, देने को तैयार नहीं है। निर्वाचन आयोग मशीन के अंदर लिखे गए प्रोग्राम, जिसे सोर्स कोड कहते हैं, को किसी से साझा करने को तैयार नहीं है और सर्वोच्च न्यायालय ने भी उसकी इस भूमिका का समर्थन किया है। गनीमत है कि सर्वोच्च न्यायालय ने कम से कम सिम्बल लोडिंग इकाई को भी, कंट्रोल इकाई, बैलट इकाई व वीवीपीएटी की तरह, चुनाव के 45 दिनों बाद तक स्ट्रांग रूम में रखने का आदेश दिया है। उन्होंने सबसे ज्यादा मत पाने वाले दूसरे और तीसरे उम्मीवारों को यह अधिकार भी दिया है कि यदि उन्हें चुनाव परिणाम पर आपत्ति हो तो वे अपने खर्च पर मशीन के सॉफ्टवेयर की जांच की मांग कर सकते हैं। इससे कम से कम प्रोग्राम में हेराफेरी करने के प्रयासों पर कुछ तो अंकुश लगेगा। ईवीएम को हटाने के खिलाफ अंतिम तर्क होता है, खर्च हुए पैसे का।

यह भी खोखला तर्क ही है। यह ठीक है कि ईवीएम व वीवीपीएटी के निर्माण में बहुत पैसा खर्च हो चुका है, किंतु जब दक्षिण अफ्रीका को लगा कि नाभिकीय शस्त्र उसके किसी काम के नहीं हैं तो उसने अपने छह नाभिकीय शस्त्र खत्म कर दिए। अब ईवीएम पर खर्च किया गया पैसा नाभिकीय शस्त्र की कीमत से ज्यादा तो नहीं होगा। ईवीएम के प्रति गहरे असंतोष को देखते हुए बेहतर है हम मतपत्र की व्यवस्था पर वापस जाएं। जब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने कहा कि हम मतपत्र की ओर वापस लौटने पर विचार भी नहीं कर सकते तो उनके दिमाग में यह बात नहीं रही होगी। चंडीगढ़ के महापौर के चुनाव में हमने देखा किस तरह मतपत्र में की जा रही गड़बड़ी को कैमरे के माध्यम से पकड़ लिया गया। यदि यही गड़बड़ी प्रोग्राम के माध्यम से ईवीएम वीवीपीएटी में की जा रही होती तो कैमरे में पकड़ में नहीं आती और न ही वहां मौजूद अधिकारी पकड़ पाते। निर्वाचन अधिकारी व पर्यवेक्षक की जानकारी के बिना भी ईवीएम- वीवीपीएटी में हेराफेरी की सम्भावना है, इसलिए अधिकारी वर्ग जो खुलकर इस व्यवस्था का पक्ष लेता है, वह अज्ञानता में ऐसा करता है। इस तरह ईवीएम पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अपने तर्क हो सकते हैं, लेकिन मतदाता और कुछ विपक्षी पार्टियों की दलीलें अपनी जगह सही हैं। इसलिए हमें दोबारा से मतपत्र की ओर जाने पर पुनर्विचार करना चाहिए। विपक्ष की आशंकाओं का समाधान अनिवार्य है।

संपादकीय

इस भंवर के किनारे नहीं

कांग्रेस ने भले ही बागी विधायकों से निजात पा ली, लेकिन टिकटों के आबंटन में चुनावी अभियान रूठ कर बैठा रहा। लंबे अंतराल के बाद पहले तीन टिकटें और अब दो और चेहरे मिल गए, लेकिन धर्मशाला में पार्टी के भंवर अभी किनारे तक नहीं पहुंचे। पहली खेप के दो यात्री भाजपा के डिब्बे से उतरे थे, लेकिन उसके बाद अब तक घोषित पांच उम्मीदवारों में से तीन पर नया सिक्का उछाला जा रहा है। लाहुल स्पीति से अनुराधा राणा के सामने कल के कांग्रेसी और अब के भाजपाई रवि ठाकुर होंगे। ऐसे में बगावत का तीर चला चुके डा. रामलाल मार्कंडेय के पास ऐसे अस्त्र-शस्त्र रहेंगे जो किसी भी उम्मीदवार का तीया पांचा कर सकते हैं। वास्तव में अब ट्राइबल चुनाव हिमाचल की मुख्य धारा से अलग परिकल्पना का परिमार्जन है, यानी कौन किसके बगल में छुरी लेकर खड़ा है, यह अनुमान टेढ़ी खीर है। बड़सर का कांग्रेसी उधार अब एक नए चेहरे यानी सुभाष चंद को मिला है। यहां पार्टी की विरासत का वोट छीनकर इंद्रदत लखनपाल पहले ही अपनी बिसात बिछा चुके हैं, तो अब तसल्ली से चुने गए कांग्रेसी उम्मीदवार सुभाष चंद की ताजगी से अपने पुराने पेंच लड़ाएंगे। बहरहाल, कांग्रेस की करवटों में समय की सूइयां, चुनाव की पाबंदियां, सरकार की बुलंदियां और सबके सामने अपने ही रक्तचाप की हदबंदी है। प्रचार की सीमा रेखा को परास्त करती जुबानी जंग का प्रदर्शन अब होने लगा है, जबकि सियासत की भूमि पर चुनाव के पलड़े टूटे पड़े हैं। यह दीगर है कि कांग्रेस की रणनीति में नई आस्था, विश्वास और राष्ट्रीय प्रचार के झोंके प्रफुल्लित कर रहे हैं, लेकिन धर्मशाला के आंगन में विश्राम कर रही पार्टी को तैयार होने में देरी लग रही है। इसके अर्थों में पार्टी की असहजता व असमर्थता नहीं, बल्कि बागी हुए सुधीर शर्मा को पूरी तरह पस्त करने की किंकर्त्तव्यविमूढ़ता कहीं अधिक दबाव डाल रही है। जाहिर है इससे चार बार विधायक रहे सुधीर शर्मा का प्रभाव और गहरा व उनके प्रचार की सामग्री और विद्रोही हो जाएगी। विधायकों का बागीपन और उपचुनावों के विद्रोही तेवर बता रहे हैं कि कांग्रेस के आमने-सामने अपना ही परिवार का कोई न कोई हिस्सा टूट कर बिखरेगा। यह दांव बड़ा है और नुकसान भी कम नहीं होगा। जैसे कि मुख्यमंत्री का अभियान लक्ष्य लेकर चला है, कांग्रेस के अपने पहाड़, अपनी घाटियां और अपनी मंजिलें तय हैं। अपने विधायकों के जरिए जमीन जोतने की तैयारी हो, विपक्ष से छीनकर नेता बदलने की बारी हो, नए चेहरों पर दांव भारी हो या आलाकमान के लिए आनंद शर्मा जैसा दिग्गज उतारने की सूची जारी हो, कांग्रेस भाजपा के लिए राहें मुश्किल बना सकती है। ये चुनाव कांग्रेस के महल की खिड़कियों के लिए हो रहे हैं और एक मुख्यमंत्री के कार्यकाल के लिए बार-बार याद किए जाएंगे। यह राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा की पटकथा पर लिखे हुए चुनाव हैं, इसलिए समीक्षाओं के हर पड़ाव पर काल, कत्तव्य और कर्मठता का वर्णन हो रहा है। कर्मठता थी, इसलिए बगावत के बावजूद कांग्रेस की सत्ता आबाद है। लोकतांत्रिक कत्तव्य की ढाल पर मुख्यमंत्री ने विद्रोह की लहरों से बारूद को अलग किया है। चुनावी काल में नेताओं का दलबदल, नए नेताओं का आगमन और दिग्गजों की प्रतिष्ठा का सवाल अगर छह उपचुनाव हैं, तो कांगड़ा में आनंद शर्मा, मंडी में विक्रमादित्य सिंह, कंगना व जयराम ठाकुर के लिए यह अपने-अपने प्रभुत्व की पहचान हैं। ये चुनाव कांग्रेस बनाम भाजपा तब तक थे, जब तक प्रत्याशी चुनने के रहस्य में पार्टियों का मंथन चरागाह बना हुआ था, लेकिन अब इस बारात में घोड़े भी होंगे, लेकिन कुछ भगौड़े जमीन पर होंगे। यह चुनाव का कालचक्र है, जिसमें हम भविष्य की जमीन पर अपने अरमानों के पांव को फिसलते हुए देख सकते हैं, वरना चुनाव की वजह में हर खिलाड़ी अपना ही ताला जड़ रहा है।

राय

चुनावी पारा, बंदा बेचारा

सुबह उठा ही था कि दरवाजे पर अखबार वाले के बदले सूरज पसीना पोंछते दिखा तो दीवार घड़ी पर नजर दौड़ाई। सुबह के सात ही बजे थे। हद है यार! सुबह के सात बजे ही सूरज अपना पसीना पोंछते हुए! अभी तो जनता आराम फरमा रही है। सुबह की ठंडी ठंडी हवा खा रही है। मैं कभी अपना तो कभी पसीने से तर सूरज का चेहरा देख ही रहा था कि सूरज ने शरद ऋतु का चांद होते अपने चेहरे का पसीना पोंछते मुझसे बड़ी विनम्रता से पूछा, 'बंधु! क्या मैं भीतर आ सकता हूं? बाहर बहुत पसीना पड़ रहा है।' उसके ये पूछने कहने पर कभी मैं उसका मुंह देखूं तो कभी अपना। ये सूरज आखिर बोल क्या रहा है? क्या ये सच्ची का सूरज होगा? अपना मन रखने के लिए तब मैंने हंसते हुए अपनी शंका का निवारण करते उससे पूछा, 'माफ करना भाई साहब! पूछते हुए लग तो बहुत बुरा रहा है पर क्या तुम सच्ची के सूरज हो या'। 'क्या मतलब तुम्हारा? कोई शक? बंधु! चांदों पर शक करो तो करो, पर सूरज पर शक करना अपने को घनघोर अंधेरे में धकेलना है। मैं सच्ची का सूरज हूं। एक सौ एक प्रतिशत सच्ची का।' सूरज ने एक बार फिर अपने हाथ में लिए रूमाल से अपने चेहरे का पसीना पोंछा तो मैंने पूरी सौम्यता से शिष्टाचार दिखाते उसे अंदर आने की इजाजत दी तो वह पसीना पोंछता हुआ बैठक में आ गया। कुछ देर तक इधर उधर देखने के बाद उसने मुझसे पूछा, 'बंधु! माफ करना, एसी वेसी है क्या?' कह वह इधर उधर देखने लगा।

एसी ही ढूंढ रहा होगा। ये अतिथि भी न! दरवाजा पार करते ही फरमाइशों के अंबार लगा देते हैं। 'क्यों? अभी तो सुबह हुई ही है। शीतल हवा बह रही है। दूसरे सूरज को कहां एसी सो काम! काम तो हमें है जो तुम्हारी गर्मी में झुलस रहे हैं।' 'बदन बहुत जल रहा है बंधु! कुछ देर के लिए एसी चला देते तो बहुत मेहरबानी होती तुम्हारी मुझ पर।' उसने पास के सोफे पर बैठते कहा तो मुझे और भी हैरानी हुई। मंत्री का पीएस और ईमानदार? 'रूह आफजा चलेगा?' मैंने उसका मुंह ताकते एसी की तरफ से उसका ध्यान हटाते उससे यों ही पूछा तो वह तुरंत बोला, 'रूह आफजा और पूछ पूछ। वाह बंधु! क्या बात है रूह आफजा की! हलक से सीधे रूह में जा उतरता है। तुमने तो मेरे मुंह की बात छीन ली। पर पहले अपना रूमाल तो देना प्लीज! मेरे रूमाल के देखो तो पसीना पोंछ पोंछ कर क्या हाल हो गए हैं इसके।' उसने अपने रूमाल का पसीना वहीं निचोड़ रूमाल मुझे पकड़ाते कहा तो बहुत गुस्सा आया। अचानक उसकी नजर अतिथियों से छिपाकर रखे एसी पर पड़ी तो उसने उछलते हुए कहा, 'गुड! अच्छी कंपनी का है। आम आदमी को भी ब्रांडेड चीजें ही इस्तेमाल करनी चाहिएं बंधु! चाहे इमाई पर ही लेनी पड़ें। शुरू में लगती तो महंगी हैं, पर बाद में बात बात पर तंग नहीं करतीं बीवी की तरह!' 'माफ करना! एक बात जाना चाहूंगा, सूरज होकर भी तुम्हें इतना पसीना क्यों पड़ रहा है? ऊपर से सूरज होकर मुझसे रूमाल मांग रहे हो? फिर सुबह सुबह एसी ढूंढ रहे हो? आखिर ये सब हो क्या रहा है?' 'होना क्या बंधु! नेताओं के चुनावी भाषणों ने आजकल पारा इतना बढ़ा दिया है कि उनके चुनावी भाषणों के पारे के आगे मेरा पारा बेचारा होकर रह गया है।

देखो तो, उनके भाषणों के प्रचंड पारे से मैं भी पसीना पसीना हुआ जा रहा हूं। इस पारे से बचने के लिए कभी कोल्ड ड्रिंक्स ले रहा हूं तो कभी फालूदा खा रहा हूं। कभी गर्मी से बचने के लिए विज्ञापनी लिरिल से नहा रहा हूं तो कभी बढ़ते चुनावी पारे में घमौरियों से बचने के लिए ठंडा ठंडा कूल कूल डरमी कूल लगा रहा हूं।

स्कूल बस हादसों में मौतों का जिम्मेवार कौन?

इसके साथ ही उस पर स्कूल बस जरूर लिखा होना चाहिए। स्कूल बस में फस्ट एड बॉक्स होना जरूरी है। बस की खिडक़ी में ग्रिल लगी होनी चाहिए'

देश में स्कूल बसों में हो रहे दर्दनाक हादसों में मासूमों की मौत के लिए जिम्मेवार कौन है, यह सवाल बहुत ही महत्वपूर्ण है। स्कूल बसों के चालकों द्वारा नशे में गाड़ी चलाना, ओवर स्पीड या अन्य लापरवाही के कारण हादसों की बातें देश के कई राज्यों से आए दिन समाचारपत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया पर पढने और देखने को मिलती हैं। इन हादसों की रोकथाम के लिए सरकार व प्रशासन के साथ माननीय न्यायालय ने भी कठोर कदम उठाए हैं, लेकिन फिर भी हादसे निरंतर गति के साथ बढ़ रहे हैं जो मासूम नन्हें बच्चों के साथ अन्याय हो रहा है। माता-पिता का सपना होता है जिस कार्य को हम न कर सके, हमारे बच्चे पढ़-लिखकर पूरा करेंगे। चाहे बच्चे बड़े हों या फिर छोटे, मां-बाप के कलेजे के टुकड़े होते हैं। खासकर छोटे बच्चों को जब स्कूल भेजा जाता है तो अभिभावकों को बच्चों की फिक्र लगी रहती है। इसलिए काफी लोग अपने बच्चों के लिए स्कूल की बस लगा देते हैं, जिससे वो सेफ्टी से स्कूल आ-जा सकें, लेकिन जब उसी बस में लापरवाही की वजह से बच्चों को कुछ होता है तो मां-बाप का कलेजा मुंह को आ जाता है। यह कोई कहानी नहीं, बल्कि सच्चाई है। देश के प्रत्येक परिवार से स्कूल बसों का सम्बन्ध है क्योंकि स्कूल बसों में बच्चे शिक्षा लेने आगामी जीवन के लिए सशक्त होने लगभग इसी माध्यम से स्कूल पहुंचते हैं। चाहे उसमें छोटी कक्षाओं का जिक्र किया जाए या बड़ी कक्षाओं का, इसमें आमतौर पर छोटी कक्षाओं के बच्चों की संख्या अधिक रहती है। लेकिन दुर्भाग्यवश हर दो-तीन महीने में एक स्कूल बस की दुर्घटना कई परिवारों के चिरागों को सदा के लिए बुझा देती है।

चाहे बात पंजाब के हादसों की हो या फिर हिमाचल के नूरपूर की बात हो या मध्यप्रदेश के इंदौर या अब हरियाणा के महेंद्रगढ़ की बात हो। 4 मार्च 2013 को पंजाब के जालंधर में 13 बच्चों की जान हादसे में गई थी। 6 जनवरी 2018 को इंदौर (मध्य प्रदेश) में चार बच्चों की जान गई। इसके बाद 9 अप्रैल 2018 को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला के नूरपुर में 23 स्कूलों बच्चों सहित 27 लोगों की जान गई थी। इतने बड़े हादसों के बाद भी इन पर लगाम नहीं लगी। इसके बाद 11 जुलाई 2023 को गाजियाबाद में दो बच्चों की जान गई। 7 फरवरी 2024 को पंजाब के श्री आनंदपुर साहिब में भी बस दुर्घटना हुई थी। अब हरियाणा के महेंद्रगढ़ में 06 स्कूली बच्चों की जान चली गई है। भारत के अन्य राज्यों में भी इस प्रकार के मामले देखने को मिलते हैं। इनमें जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हैदराबाद व कर्नाटक के भी कई मामले इस श्रेणी में शामिल हैं। आखिर स्कूल बसों में कब तक यूं ही घरों के चिराग बुझते रहेंगे, आखिर उनका जिम्मेवार कौन है? स्कूल, ड्राइवर या अभिभावक या सरकार? आखिर कौन? जांच बिठाई जाती है, पर न जाने निर्णय क्या होता है? फिर वैसी ही घटनाएं सुनने को मिलती हैं। प्रत्येक माता-पिता के लिए यह चिंता का विषय रहता है कि उनके बच्चे कब स्कूल जाते हैं। अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से लेकर वे दोपहर के भोजन में क्या खा रहे हैं, यहां तक चिंता रहती है, लेकिन स्कूल बस सुरक्षा चिंता का विषय नहीं होती। कभी बस को लेकर सवाल नहीं होता। आखिर अभिभावक के तौर पर हम इस जिम्मेवारी से कैसे पीछा छुड़ा सकते हैं? अनेकों निजी स्कूलों के खटारा वाहनों में देश का भविष्य मासूम बच्चे सफर करने को मजबूर हैं।

स्कूल संचालकों द्वारा खटारा बसों, सूमो, टवेरा, ईको आदि गाडियों में बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के कार्य पर लगाकर मोटा मुनाफा वसूला जा रहा है। इसके अलावा स्कूल संचालक सरकार को चूना लगाने का काम कर रहे हैं। बता दें कि अधिकांश स्कूलों में बच्चों को लाने-ले जाने के लिए कबाड़ हो चुकी बसें और प्राइवेट रजिस्ट्रेशन की सरकार द्वारा समय सीमा अवधि खत्म हो चुकी गाडियां लगाई हुई हैं। इन गाडियों में स्कूली बच्चों को घर से स्कूल लाने व घर ले जाने के एवज में अभिभावकों से हजारों रुपए वसूल किए जाते हैं, परंतु इन गाडियों में सुविधाओं के नाम पर ठीक से बैठने की जगह भी नहीं होती। इन वाहनों में सुरक्षा के उपकरण भी नहीं होते। इन वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चे बिठाकर लाने-ले जाने का कार्य किया जाता है। कई बसों पर न तो कोई हेल्पलाइन नंबर लिखा होता है, न ही स्कूल का नाम, न ही कोई इमरजेंसी और हेल्पलाइन नंबर होता है। यह खटारा हो चुकी गाडियां होने के कारण रास्ते में कहीं पर भी खराब होकर खड़ी हो जाती हैं। इन गाडियों के ड्राइवर बच्चों की परवाह न करते हुए खतरनाक ड्राइविंग करते हुए नजर आते हैं। बहुत से स्कूलों में बसों पर ड्राइवर के साथ अन्य कोई भी हेल्पर बच्चों को उतारने व चढ़ाने के लिए नहीं होता है। कईयों में तो न तो ब्रेक लाइट होती है, न ही इंडीकेटर। ऐसी बसों में बच्चों को बिठाकर लाने-ले जाने के कारण उनके जीवन के साथ खिलवाड़ हो रहा है। स्कूल संचालकों की मनमर्जी के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा ऐसी कबाड़ बसों के कारण हो सकता है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रशासन आंखें मूंदे शायद किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है या फिर ऐसा कहें कि प्रशासनिक अधिकारी और स्कूल संचालकों की सांठगांठ के कारण ही बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। शिक्षा विभाग के बड़े अधिकारी इन स्कूलों के कार्यक्रमों में बतौर अतिथि उपस्थित होते रहते हैं और बड़े-बड़े उपहार उन्हें मिलते रहते हैं। शायद इस कारण भी लगता है ऐसे स्कूलों पर कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई जाती।

सडक़ों पर दौड़ती ऐसी गाडियां सालों से दौड़ रही हैं, पर बात करें बसों के मानकों की, तो वैसे तो बसों में ये मानक होना जरूरी है, जिसमें स्कूल बस पीले कलर की होनी चाहिए। इसके साथ ही उस पर स्कूल बस जरूर लिखा होना चाहिए। स्कूल बस में फस्ट एड बॉक्स होना जरूरी है। बस की खिडक़ी में ग्रिल लगी होनी चाहिए। इसके साथ ही बस में आग बुझाने वाला यंत्र भी लगा होना चाहिए। स्कूल बस पर स्कूल का नाम और टेलीफोन नंबर भी होना चाहिए। इसके साथ ही दरवाजों पर ताले लॉक भी लगा होना चाहिए। स्कूल बस में एक अटेंडेंट होना चाहिए। इसके साथ ही अधिकतम स्पीड 40 किलोमीटर प्रति घंटा होनी चाहिए। ये तो हो गई बात बाहरी मानकों की, लेकिन वाहन के हालात की खबर कोई नहीं लेता, आखिर ऐसा क्यों? बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस उपाय करने होंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्टंटबाजी

जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में बीती 4 मई को आतंकियों ने वायुसेना के काफिले पर हमला किया था, जिसमें एक जवान ने शहादत दी और चार घायल अब भी उपचाराधीन हैं। इस हमले को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने भाजपा की 'चुनावी स्टंटबाजी' करार दिया। इससे बड़ी नालायकी और संवेदनहीनता क्या हो सकती है? यह राष्ट्रीय सुरक्षा और सेनाओं के सम्मान की अनिवार्यता का भी उल्लंघन है कि एक सरहदी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने ऐसा बयान दिया है। पुंछ के घने, गहरे, जंगलात इलाकों में सेना और सुरक्षा बलों का ऑपरेशन अब भी जारी है, आतंकियों के दो स्कैच जारी कर 20 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है और आश्चर्य है कि इस कवायद को 'स्टंटबाजी' करार दिया गया है। कांग्रेस नेताओं को सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई आक्रमण भी फर्जी और स्टंट लगे थे। वे लगातार सरकार से सवाल पूछते रहे और व्याख्याएं करते रहे कि आतंकी अड्डे नेस्तनाबूद नहीं हुए, बल्कि हमलों की चपेट में कुछ पक्षी आ गए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा पर इतना खोखलापन और सियासी विरोध वाकई चिंतित करता है, क्योंकि ऐसी टिप्पणियां करना हमारे जांबाज सैनिकों के शौर्य और शहादतों का भी अपमान है। जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में ही दूसरा बयान फारूक अब्दुल्ला का है। वह कई सालों तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बीती 17वीं लोकसभा में भी सांसद थे। भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। इसके बावजूद फारूक का पाकपरस्त और चीन-समर्थक रवैया कोई नई बात नहीं है।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के संदर्भ में बयान दिया था, जिस पर फारूक अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी कि उन्होंने भी चूडियां नहीं पहन रखीं। उनके पास भी एटम बम है और वह बम हम पर ही गिरेगा। फारूक ने भारत की सामरिक ताकत को खौफजदा करने की कोशिश की है। एक बार फिर उन्होंने पाकिस्तान की भाषा बोली है। हालांकि वह सीमापार आतंकवाद के अंजामों को बखूबी जानते हैं। उन्हें 1999 का 'कारगिल युद्ध' याद होगा। चलो, 1965 और 1971 के युद्धों को 'लंबा अतीत' मान लेते हैं, लेकिन पाकिस्तान को सब कुछ याद है। दुनिया ने यह भी देखा है कि युद्ध के नाम पर वहां की 'नेशनल असेंबली' (संसद) में नेताओं के हाथ-पांव किस तरह कांपने लगते हैं? जिस देश के पास खाने को रोटी नसीब नहीं है, विदेशों के कर्ज पर जिंदा है, वह एटम बम कैसे चलाएगा? बहरहाल कश्मीर में अब्दुल्ला परिवार की हुकूमत के तीन दशकों के दौरान आतंकवाद और अलगाववाद कितना फला-फूला था, यह देश अच्छी तरह जानता है। उनकी स्मृतियां भी शेष हैं। कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार किए गए थे, हत्याएं की गई थीं, अंततः वे कश्मीर छोडने को विवश हुए। उसकी बुनियाद भी फारूक सरकार के दौरान रख दी गई थी। राज्य में उस दौर में 70,000 से अधिक आतंकी घटनाएं हुईं और 35,000 से अधिक कश्मीरी जवान मार दिए गए। ऐसा राजनेता आज पाकिस्तान की चूडियों और एटम बम की परोक्ष धमकी हमें दे रहा है! आज हमें 'नया कश्मीर' दिखाई दे रहा है। कश्मीर में रात 11 बजे भी 'लाल चौक' के पास घूम सकते हैं। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 2 करोड़ से अधिक पर्यटक 'पृथ्वी का जन्नत' देखने आए हैं।

आतंकवाद के छाया पैरोकार रहे नेता बार-बार हमारे शहीदों और सैनिकों को अपमानित क्यों करते हैं? ऐसी ही हरकत मुंबई में कांग्रेस के नेता विजय वडट्टिवार ने की है। उन्होंने एक किताब के हवाले से बयान दिया है कि 26/11 आतंकी हमले के दौरान पुलिस के जांबाज अफसर हेमंत करकरे को आतंकवादी कसाब की गोली नहीं लगी थी, बल्कि वह आरएसएस समर्थक पुलिस अधिकारी की बंदूक से निकली गोली से शहीद हुए थे। इस निरर्थक बयान पर शशि थरूर जैसे बौद्धिक सांसद ने जांच की मांग की है। शहादतों पर इस तरह संदेह करने और अनाप-शनाप बयान देने से कितने वोट हासिल होंगे? देश की जनता का विवेक बखूबी यह जानता है। देश की सुरक्षा का मुद्दा राजनीति का मुद्दा नहीं है। न ही शहादतों पर थोथी बयानबाजी होनी चाहिए। चन्नी, फारूक व शशि थरूर, तीनों ने सीमाएं लांघ कर बयान दिए हैं। ऐसे बयानों से बचना चाहिए।

भारतीय रेलवे ने दस सालों में हर दिन 7.41 किमी ट्रैक बनाए, रेल मंत्रालय ने RTI में दी जानकारी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि भारतीय रेलवे (Indian Railways) प्रतिदिन करीब 15 किमी नए रेलवे ट्रैक (Railway Tracks) बिछाती है। वैष्णव ने दो फरवरी 2024 में रेल भवन में कहा था कि पिछले साल 5200 किमी नए ट्रैक तैयार किए गए जो स्विटजरलैंड के पूरे रेलवे नेटवर्क के बराबर है।

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने पिछले दस सालों में हर दिन औसतन 7.41 किमी रेलवे ट्रैक का निर्माण किया है। इसमें नए रेलवे ट्रैकों के निर्माण के साथ ही इसमें मौजूदा लाइनों की डबलिंग, ट्रिपलिंग और गेज बदलना भी शामिल है। यह जानकारी रेल मंत्रालय ने एक आरटीआई याचिका के जवाब में दी है।

रेल मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पिछले दस सालों (2014-15 से 2023-24) में कुल 27057.7 किलोमीटर की रेल पटरियां बिछाई जा चुकी हैं। इसमें नई रेलवे लाइनें बिछाने के अलावा उनकी डबलिंग, ट्रिपलिंग शामिल है। साथ ही इन रेल लाइनों को मीटर गेज से ब्रॉड गेज में बदलना भी शामिल है।

मध्यप्रदेश के याचिकाकर्ता चंद्र शेखर गौर ने बताया कि जब मैंने आंकड़ों की गणना की तो दस सालों में प्रति दिन तैयार होने वाले रेलवे ट्रैक का औसत 7.41 किमी निकला है। गौर ने कहा कि रेलवे की खासी प्रगति के बावजूद वह कुल ट्रैक बिछाने में अपनी रफ्तार खो रहे हैं। 2022-23 में 3901 किमी ट्रैक बनाने के बाद 2023-24 में कुल 2966 किमी ट्रैक ही बनाया जो प्रतिदिन 8.12 किलोमीटर ही है।

उल्लेखनीय है कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि भारतीय रेलवे प्रतिदिन करीब 15 किमी नए रेलवे ट्रैक बिछाती है। वैष्णव ने दो फरवरी, 2024 में रेल भवन में कहा था कि पिछले साल 5200 किमी नए ट्रैक तैयार किए गए जो स्विटजरलैंड के पूरे रेलवे नेटवर्क के बराबर है। 2014 से प्रतिदिन चार किमी ट्रैक के साथ अब हम हर दिन 15 किमी नए ट्रैक बना रहे हैं।

कर्मचारियों की भ्रष्ट गतिविधियों से निपटने के लिए सेबी ने कड़े किए नियम

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अपने कर्मचारियों की भ्रष्ट गतिविधियों से निपटने के लिए नियमों में सख्ती की है। इसके लिए उसने अपने कर्मचारियों की सेवाओं को नियंत्रित करने वाले नियमों में संशोधन किया है। इसके तहत एक सक्षम प्राधिकार कानून के तहत सेबी को होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए सीधे तौर पर संबंधित कर्मचारी से राशि की वसूली कर सकता है।

यह राशि कर्मचारियों के वेतन और उसे मिलने वाली अन्य रकम से ली जा सकती है। सेबी के अनुसार, यह कदम तब उठाया जा सकता है जब किसी कर्मचारी ने कथित तौर पर अनुचित उद्देश्य के लिए या भ्रष्ट तरीके से काम किया हो।

सेबी ने छह मई की अपनी अधिसूचना में कहा कि नई व्यवस्था उन कर्मचारियों पर भी लागू होगी, जिन्होंने इस्तीफा दे दिया है या सेवानिवृत्त हो गए हैं अथवा प्रतिनियुक्ति का कार्यकाल पूरा कर लिया है। संशोधित नियम के तहत किसी कर्मचारी के खिलाफ शुरू की गई किसी भी कार्यवाही के लंबित रहने के दौरान संबंधित कर्मचारी को मिलने वाली ग्रेच्यूटी को पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से रोका जा सकता है।

गिर गई सोने-चांदी की कीमत, करीब 72 हजार पर पहुंचा 10 ग्राम सोना

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोने की कीमतें 150 रुपये गिरकर 72300 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। पिछले सत्र में पीली धातु 72450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं चांदी की कीमतें भी 300 रुपये गिरकर 84700 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गईं। पिछले बंद में यह 85000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार वैश्विक बाजारों में कीमती धातु की कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोने की कीमतें 150 रुपये गिरकर 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। पिछले सत्र में पीली धातु 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

वहीं चांदी की कीमतें भी 300 रुपये गिरकर 84,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गईं। पिछले बंद में यह 85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं, जो पिछले बंद के मुकाबले 150 रुपये कम है।

विदेशों में सोने की कीमत

विदेशी बाजारों में, कॉमेक्स पर सोना हाजिर 2,310 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद से 9 अमेरिकी डॉलर कम है।

गांधी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर में तेजी के बीच बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई। चांदी भी गिरावट के साथ 27.15 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर बोली जा रही थी। पिछले सत्र में यह 27.25 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ था।

मजबूत हुई सोनी की कीमत

सप्ताह में अब तक ताजा ट्रिगर्स की कमी के बीच सोने की कीमतें एक दायरे में मजबूत हो रही हैं, क्योंकि बाजार भागीदार भविष्य की ब्याज दरों पर दृष्टिकोण का आकलन करने के लिए अधिक आने वाले डेटा की तलाश कर रहे हैं। हाल के अमेरिकी मैक्रो डेटा उम्मीद से कमजोर आए हैं - यह दर्शाता है मंदी के संकेत, जिसके कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा शीघ्र दर में कटौती की संभावना बढ़ गई है।

लिमिटेड, ने कहा कि जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज में ईबीजी - कमोडिटी एंड करेंसी रिसर्च के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा कि मध्य-पूर्व भू-राजनीतिक मुद्दा पहले से ही तय हो चुका है। हालांकि, बुलियन को केंद्रीय बैंकों की मांग का समर्थन प्राप्त है, जो सोने के साथ अपने एफएक्स रिजर्व में विविधता ला रहे हैं।

ऑनलाइन सबसे ज्यादा सर्च हो रही है देश में ये घूमने वाली जगह, इस कंपनी ने शेयर किया डेटा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम के साथ कई लोग घूमने फिरने की प्लानिंग भी बनाने लगते हैं। देश में सबसे ज्यादा कौन-सा पर्यटन स्थल सर्च हो रहा है इसको लेकर ट्रैवल और टूरिज्म से जुड़ी सर्विस देने वाली मेक माई ट्रिप (Make My Trip) ने डेटा शेयर किया।

डेटा के अनुसार इस गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा सर्च करने वाले डेस्टिनेशन में अयोध्या, लक्षद्वीप और नंदी हिल्स शामिल हैं। लोग ऑनलाइन सबसे ज्यादा गोवा सर्च कर रहे हैं।

ये पर्यटन स्थल है लोगों की पसंद

मेक माई ट्रिप के डेटा के अनुसार इस गर्मी में पुरी और वाराणसी सबसे अधिक खोजे जाने वाले तीर्थ स्थल हैं, जबकि अयोध्या में सर्च की मात्रा में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली है। मेकमाईट्रिप द्वारा जारी इन्फोग्राफिक के अनुसार इंटरनेशनल स्थलों में बाकू, अल्माटी और नागोया हैं। यहां तक कि लोगों की रुचि लक्ज़मबर्ग, लैंगकावी और अंताल्या में भी है। इसके अलावा 2023 की गर्मियों की तुलना में फैमिली ट्रैवल सेगमेंट में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं एकल यात्रा यानी सोलो ट्रैवल में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मेक माई ट्रिप के डेटा के अनुसार प्रति रात 2,500 रुपये से 7,000 रुपये का टैरिफ होता है। इसमें होमस्टे बुकिंग का लगभग 45 फीसदी शामिल है।

RBI के प्रस्तावित नियम पर बैंकों ने मांगा स्पष्टीकरण, PFC और REC पर पड़ सकता है ज्यादा बोझ

परिवहन विशेष न्यूज

इस प्रस्ताव के मुताबिक बैंक एनबीएफसी सहकारी बैंक समेत हर तरह के वैसे वित्तीय संस्थान जो परियोजनाओं को कर्ज देते हैं को कुल वितरित कर्ज का पांच प्रतिशत अतिरिक्त राशि का समायोजन एक विशेष खाते में करना होगा। इससे इनकी कर्ज देने की लागत के बढ़ने की संभावना जताई रही है। भारतीय बैंक संघ ने इस पर वित्त मंत्रालय से चर्चा करने की बात कही है।

नई दिल्ली। परियोजनाओं को कर्ज देने की मौजूदा नीति में बदलाव करने के आरबीआई के प्रस्ताव से देश का बैंकिंग सेक्टर काफी असहज है। बैंकों ने इस बारे में आरबीआई से और ज्यादा स्पष्टीकरण की मांग की है और यह इच्छा भी जताई है कि संबंधित प्रस्ताव को लागू करने से पहले उनके साथ विस्तार से विमर्श किया जाएगा।

इस प्रस्ताव के मुताबिक बैंक, एनबीएफसी, सहकारी बैंक समेत हर तरह के वैसे वित्तीय संस्थान जो परियोजनाओं को कर्ज देते हैं, को कुल वितरित कर्ज का पांच प्रतिशत अतिरिक्त राशि का समायोजन एक विशेष खाते में करना होगा। इससे इनकी कर्ज देने की लागत के बढ़ने की संभावना जताई रही है। सरकारी क्षेत्र की वित्तीय कंपनियों जैसे पीएफसी और आरईसी पर ज्यादा बोझ पड़ने की आशंका जताई गई है। साथ ही बैंकों के लिए कर्ज की लागत में भी वृद्धि होने और कर्ज के महंगा होने की भी बात कही जा रही है।

क्या कहा केनरा बैंक के सीएमडी व सीईओ ने

केनरा बैंक के सीएमडी और सीईओ के सत्यनारायण राजू का कहना है, "हमें प्रस्तावित नियमों को लेकर और ज्यादा स्पष्टीकरण की जरूरत है। इसमें समायोजन की अधिकतम राशि क्या होनी चाहिए, इसको स्पष्ट करने की जरूरत है। वैसे इस प्रस्ताव से केनरा बैंक पर अतिरिक्त वित्तीय असर पड़ने की संभावना नहीं है।" वह केनरा बैंक के वित्तीय परिणाम जारी करने के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

आईबीए करेगा रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय से बात

उन्होंने बताया कि परियोजनाओं को उनके बैंक ने कुल 1.10 लाख करोड़ रुपये का लोन दिया है। अगर आरबीआई का प्रस्तावित नियम लागू हो जाता है तो बैंक को 5,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का समायोजन करना पड़ सकता है। समायोजन की राशि बैंक अपने मुनाफे से करते हैं। दैनिक जागरण ने कुछ दूसरे बैंकों से भी बात की है और उन्होंने भी कहा है कि इस बारे में भारतीय बैंक संघ (आईबीए- बैंकों का संगठन) की तरफ से आरबीआई व वित्त मंत्रालय से बात की जाएगी।

इस दशक तक की विकास दर रह सकती है सात प्रतिशत : मुख्य आर्थिक सलाहकार

परिवहन विशेष न्यूज

मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष की तीन तिमाहियों के दौरान दर्ज की गई मजबूत वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2024 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। ये जानकारी मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन द्वारा दी गई है । दिसंबर 2023 को समाप्त तीसरी तिमाही में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 8.4 फीसदी बढ़ा।

नई दिल्ली। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का मानना है घरेलू और वैश्विक आर्थिक माहौल को देखते हुए इस दशक तक भारत की जीडीपी विकास दर हर साल 6.5-7 प्रतिशत रह सकती है। आधारभूत बुनियादी सुविधाओं एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास से यह संभव दिख रहा है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग में एसएमई की हिस्सेदारी को भी बढ़ाना होगा। कारोबार के लिए नियमों के भार को कम करना होगा और सप्लाई चेन की मजबूती के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा।

बुधवार को नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लायड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में नागेश्वरन ने कहा कि इस बार सामान्य से अधिक मानसून रहने से खुदरा महंगाई आरबीआई के अनुमान के मुताबिक चार प्रतिशत के स्तर पर आने का अनुमान है। हालांकि वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी भारत की विकास दर सात प्रतिशत से अधिक रह सकती है॥

बदल रही हैं वैश्विक स्थितियां

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि वैश्विक स्थितियां बदल रही हैं और उसे ध्यान में रखते हुए हमें घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कौशल विकास, स्वास्थ्य सुविधा जैसी चीजों पर फोकस करना होगा। उन्होंने कहा कि निजी सेक्टर का निवेश भी बढ़ रहा है और घरेलू बचत का पोर्टफोलियो शिफ्ट हो गया है। मतलब बैंक में पैसा जमा करने की जगह लोग रियल एस्टेट, शेयर बाजार जैसी जगहों पर पैसा लगा रहे हैं।

क्या कहती हैं पीएमईएसी की सदस्य पूनम गुप्ता

एनसीएईआर की महानिदेशक और प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) की सदस्य पूनम गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के मुताबिक इस साल वैश्विक व्यापार और विकास दर दोनों में बढ़ोतरी होगी जबकि महंगाई में कमी आएगी। वहीं, घरेलू अर्थव्यवस्था पहले से ही मजबूत स्थिति में है। इस आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर इस साल और अगले साल सात प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद की जा सकती है।

जनसंख्या वृद्धि दर कम होना हमारे लिए है अच्छा

गुप्ता ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी बात यह है कि हमारी जनसंख्या वृद्धि दर कम हो रही है जबकि विकास दर बढ़ रही है। 1990 में जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत थी जो अब एक प्रतिशत हो गई है। सरकारी स्थायित्व से नीतिगत जोखिम कम हो गया है। बारिश पर कृषि की निर्भरता कम हुई है, विदेशी मुद्रा के भंडार के साथ बैंकों से कर्ज देने की दरों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इस मौके पर विश्व बैंक के कंट्री निदेशक अगस्टे टैनो ने कहा कि वैश्विक विकास दर अच्छी रही तो भारत की विकास दर आठ प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

फिर महंगी हुई शाकाहारी थाली, चिकन की कीमत गिरने से नॉन वेज खाना सस्ता, क्या कहते हैं ताजा आंकड़े

परिवहन विशेष न्यूज

मांसाहारी थाली की कीमत अप्रैल में घटकर 56.3 रुपये हो गई जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 58.9 रुपये थी। हालांकि मार्च की तुलना में अप्रैल में मांसाहारी थाली की कीमत ज्यादा है। मार्च में मांसाहारी थाली की कीमत 54.9 रुपये थी। बता दें कि मांसाहारी थाली में शाकाहारी थाली की तरह सभी चीजें शामिल होती हैं लेकिन इसमें दाल की जगह चिकन होता है।

नई दिल्ली। प्याज और टमाटर की बढ़ती कीमतों के चलते अप्रैल में शाकाहारी थाली आठ प्रतिशत महंगी हो गई। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक 'रोटी-चावल दर' रिपोर्ट के अनुसार, ब्रायलर की कीमत में गिरावट ने मांसाहारी भोजन की लागत में कमी लाने में योगदान दिया है।

शाकाहारी थाली (इसमें रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल है) की अप्रैल में कीमत बढ़कर 27.40 रुपये प्रति प्लेट हो गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में इस थाली की कीमत 25.4 रुपये थी। महीने-दर-महीने से तुलना करें तो मार्च, 2024 में शाकाहारी थाली की कीमत 27.30 रुपये रुपये थी।

शाकाहारी थाली की कीमत में कुल बढ़ोतरी के लिए प्याज में 41 प्रतिशत, टमाटर में 40 प्रतिशत, आलू में 38 प्रतिशत, चावल में 14 प्रतिशत और दालों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी को प्रमुख वजह माना गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जीरा, मिर्च, और वनस्पति तेल की कीमतों में क्रमशः 40 प्रतिशत, 31 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे थाली की कुल लागत में और बढ़ोतरी नहीं हुई।

मांसाहारी थाली की कीमत अप्रैल में घटकर 56.3 रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 58.9 रुपये थी। हालांकि मार्च की तुलना में अप्रैल में मांसाहारी थाली की कीमत ज्यादा है। मार्च में मांसाहारी थाली की कीमत 54.9 रुपये थी। बता दें कि मांसाहारी थाली में शाकाहारी थाली की तरह सभी चीजें शामिल होती हैं, लेकिन इसमें दाल की जगह चिकन होता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रायलर की कीमत में 12 प्रतिशत की गिरावट के चलते मांसाहारी थाली सस्ती हुई है। मांसाहारी थाली के कुल मूल्य में 50 प्रतिशत भार चिकन का होता है। मार्च की तुलना में ब्रायलर की कीमत में चार प्रतिशत की वृद्धि के चलते मांसाहारी थाली की कीमत में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई।

'ईवीएम वाली स्ट्रांग रूम में लगेंगे अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे'

परिवहन विशेष न्यूज

तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मद्रास हाई कोर्ट को सूचित किया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को उन स्ट्रांग रूम में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं जहां 19 अप्रैल के चुनावों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ईवीएम रखी गई हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि स्ट्रांग रूम में कुछ सीसीटीवी कैमरों ने अचानक काम करना बंद कर दिया था और इसमें गड़बड़ी हो सकती थी।

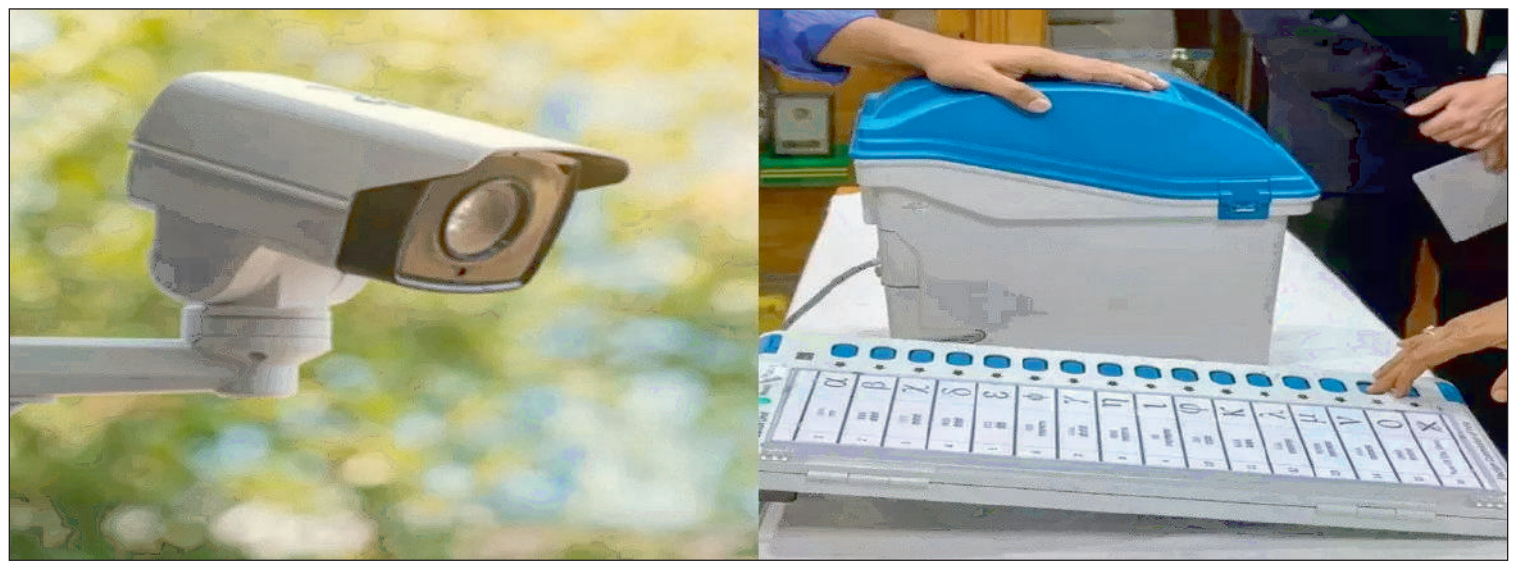

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बुधवार को मद्रास हाई कोर्ट को सूचित किया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को उन स्ट्रांग रूम में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं, जहां 19 अप्रैल के चुनावों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ईवीएम रखी गई हैं।

चुनाव आयोग के वकील ने क्या कहा ?

न्यायमूर्ति एं.डी. जगदीश चंदीरा और न्यायमूर्ति आर. कलाईमथी की ग्रीष्मकालीन अवकाश पीठ के समक्ष भारत के चुनाव आयोग के स्थायी वकील निरंजन राजगोपालन पेश हुए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल के एजेंटों के लिए फुटेज देखने के लिए एक समर्पित लाइन और टीवी स्क्रीन होगी। वह डीएमएसके के एम.एल. रवि द्वारा दायर रिट याचिका का जवाब दे रहे थे।

अतिरिक्त कैमरे लगाने के निर्देश जारी

याचिकाकर्ता ने कहा कि स्ट्रांग रूम में कुछ सीसीटीवी कैमरों ने अचानक काम करना बंद कर दिया था और इसमें गड़बड़ी हो सकती थी। हालांकि, चुनाव आयोग ने कहा कि अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे काम करना जारी रखेंगे, भले ही अन्य कैमरे खराब हो जाएं। नीलगिरी और तेनकासी निर्वाचन क्षेत्रों में खराब सीसीटीवी कैमरों की शिकायत सामने आने के बाद दो मई को अतिरिक्त कैमरे लगाने के निर्देश जारी किए गए।

एस्ट्राजेनेका ने बाजार से वापस मंगाई कोविड-19 वैक्सीन, खून का थक्का जमने व प्लेटलेट काउंट कम होने की शिकायतें दर्ज...

पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने बुधवार को कहा कि उसने दिसंबर 2021 में कोविशील्ड की अतिरिक्त खुराक का निर्माण और आपूर्ति बंद कर दी थी। एस्ट्राजेनेका ने स्वेच्छा से विपणन वापस ले लिया है। भारत में कोविशील्ड और यूरोप में वैक्सजेवरिया के नाम से बेची जाने वाली अपनी कोविड वैक्सीन को मंजूरी दे दी गई है।

लंदन। कोविड महामारी में दुनिया भर में वैक्सीन उपलब्ध कराने वाली ब्रिटेन की प्रमुख फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने इसे बाजार से वापस मंगाना शुरू कर दिया है। इसके वैक्सीन 'वैक्सजेवरिया' के विरुद्ध खून का थक्का जमने और प्लेटलेट काउंट कम होने की कई शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। हालांकि, कंपनी ने बयान में दावा किया है कि टीके का नया संस्करण उपलब्ध है, इसलिए पुराने स्टाक को मंगाना शुरू कर दिया गया है। एस्ट्राजेनेका के सहयोग से ही भारत में सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया ने 'कोविशील्ड' टीका उपलब्ध कराया था। एस्ट्राजेनेका ने आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर कोविड-19 वैक्सीन विकसित किया था। इसे यूरोप में वैक्सजेवरिया और भारत में कोविशील्ड के नाम से उपलब्ध कराया गया था। यूरोपीय संघ (ईयू) के दवा नियामक यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी ने मंगलवार को एक नोटिस जारी कर पुष्टि की कि वैक्सजेवरिया अब 27-सदस्यीय आर्थिक ब्लाक में उपयोग के लिए अधिकृत नहीं है। कंपनी ने मार्च में ही वैक्सीन को वापस मंगाने का निर्णय कर लिया था। इसने कहा कि मार्केटिंग अथॉरिटी वैक्सजेवरिया की वापसी के लिए दुनिया भर के नियामक अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। दुर्लभ मामलों में दुष्प्रभाव स्वीकार कर चुकी है कंपनी:वैश्विक मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इससे पहले एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया था कि उसके कोविड-19 टीके दुर्लभ मामलों में दुष्प्रभाव पैदा कर सकते हैं। जिसे थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) कहा जाता है। भारत में कविड-19 टीकों की 2.20 अरब से अधिक खुराकें दी गई हैं और उनमें से अधिकांश कोविशील्ड थीं। कोविशील्ड के दुष्प्रभाव को लेकर भी कुछ लोगों ने शिकायतें की थीं।

वैश्विक स्तर पर तीन अरब से अधिक खुराक की हुई आपूर्ति

कंपनी ने कहा कि स्वतंत्र अनुमान के अनुसार, अकेले उपयोग के पहले वर्ष में 65 लाख से अधिक लोगों की जान बचाई गई और वैश्विक स्तर पर तीन अरब से अधिक खुराक की आपूर्ति की गई। कहा, हमारे प्रयासों को दुनिया भर की सरकारों ने मान्यता दी है और व्यापक रूप से इसे वैश्विक महामारी को समाप्त करने का एक महत्वपूर्ण घटक माना जाता है।

जिला कलक्टर ने राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

आमजन की समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

शाहपुरा। जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत, जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कावत एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुनील पूनियाँ की अध्यक्षता में बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

जिला कलक्टर शेखावत ने बैठक में रास्तों के प्रकरण एवं म्यूटेशन के प्रकरणों को जल्द से जल्द निस्तारित करने के साथ ही राजस्व अधिकारियों एवं माइनिंग इंजीनियरों को अवैध खनन के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर आमजन की समस्याओं एवं प्रशासनिक समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं चंबल विभाग के अधिकारियों को जिले की जल संबंधी समस्याओं से परेशान आमजन को जल उपलब्ध कराने एवं उनकी समस्याओं के जल्द से जल्द निस्तारण करने और जल जीवन मिशन योजना की कार्य प्रगति को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा देने हेतु निर्देशित किया गया।

इस दौरान एसडीओ जहाजपुर सुरेंद्र पाटीदार , एस डी ओ शाहपुरा निर्मा विष्णोई , एसडीओ फुलियाकला राजकेश मीना , एसडीओ बैनेडा श्रीकांत व्यास मोजूद रहे।

तापमान वृद्धि से भीषण गर्मी को देखते हुए ज़िले में विद्यालयों का समय परिवर्तित

1 से 8 वीं तक के विद्यार्थियों का समय अब प्रात : 7 .30 बजे से प्रात : 10 .30 बजे तक निर्देशों की अवहेलना करने वाले विद्यालयों के विरूद्ध की जाएगी नियमानुसार कार्यवाही

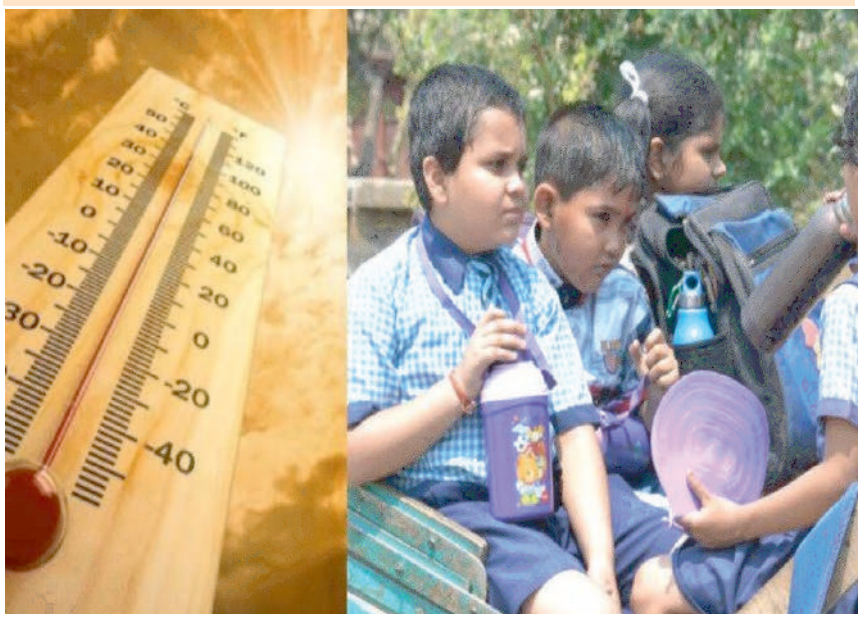

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर के आदेशो के तहत आगामी दिनों में तापमान वृद्धि से भीषण गर्मी लू (हीट वेव) के सन्दर्भ में शाहपुरा जिला शिक्षा अधिकारी {माध्यमिक शिक्षा} के द्वारा कक्षा 1 से 8 वीं तक के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय का समय परिवर्तन जाने हेतु ज़िला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत से निवेदन किया गया था। ज़िला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने शाहपुरा जिले में भीषण गर्मी लू (हीट वेव) को देखते हुए आदेश जारी कर ज़िले के समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 वीं तक दिनांक 09 मई से सत्रान्त तक विद्यालय का समय प्रातः 7:30 से 10:30 बजे तक किया है।

जिला कलेक्टर शेखावत के आदेशानुसार समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा 09 से 12 के छात्रों हेतु विद्यालय का समय पूर्ववत रहेगा। समस्त शिक्षकों/कार्मिकों, एवं संचालित अन्य परीक्षाओं का समय यथावत रहेगा। उन्होंने बताया कि निर्देशों की अवहेलना करने वाले राजकीय / गैर राजकीय विद्यालयों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

उड़ीसा में दल बदलू नेता केंद्रपरा जिले में सबसे ज्यादा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वर : राजनीति का केंद्र कहा जाने वाला केंद्रापाड़ा जिला अब दल-बद्लु पार्टी का गढ़ बन गया है । ऐसा दुर्लभ नजारा खासकर केंद्रपाड़ा विधानसभा सीट पर देखने को मिला है । इस आरक्षित सीट से चुनाव लड़ रहे तीन प्रमुख दलों के उम्मीदवार दूसरे दलों से अलग हो गए हैं। यहां से कांग्रेस के प्रमुख उम्मीदवार गणेश्वर बेहरा बिजेड़ी के उम्मीदवार हैं ।इससे पहले वह कांग्रेस सरकार में मंत्री थे । आखिरी वक्त में केंद्रपाड़ा बीजेडी के पास आए और टिकट ले लिया। गणेश्वर बीजेडी को टिकट मिलने के बाद पार्टी की उम्मीदों में से एक और पार्टी की पूर्व नेता सिप्रा मल्लिक तुरंत कांग्रेस में शामिल हो गईं और कांग्रेस की उम्मीदवार बन गईं । दोनों पार्टियों को देखने के बाद बिजेड़ी केंद्रपाड़ा जिला परिषद की अध्यक्ष गीतांजलि सेठी भाजपा में शामिल हो गईं और टिकट ले लिया।

तो अब केंद्रपाड़ा में गणेश्वर-सिप्रा-गीतांजलि के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने जा रहा है । जहां नेता इसकी तैयारी कर रहे हैं, वहीं कार्यकर्ता स्तब्ध हैं। क्योंकि मदान में तीन उम्मीदवारों में से दो पूर्व बीजेडी हैं जबकि एक पूर्व कांग्रेसी हैं । अंशुमान मोहंती, जो केंद्रपाड़ा लोकसभा से उम्मीदवार हैं, वो कांग्रेस से बिजेड़ी को मैदान में उतारा है । जबकि अरविंद महापात्र वरिष्ठ भाजपा नेता विजय महापात्र के बेटे हैं, जो पटकुरा से बिजेड़ी के उम्मीदवार हैं। विजय अभी भी बीजेपी में हैं । बीजेपी ने अभी तक राजनगर विधानसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है ।जानकारी के मुताबिक, बीजेपी वहां एक दल बदलू को पार्टी उम्मीदवार भी उतार सकती है ।

एनसीसी सीएटीसी शिविर का शुभारंभ, 600 एनसीसी कैडेट ले रहे भाग

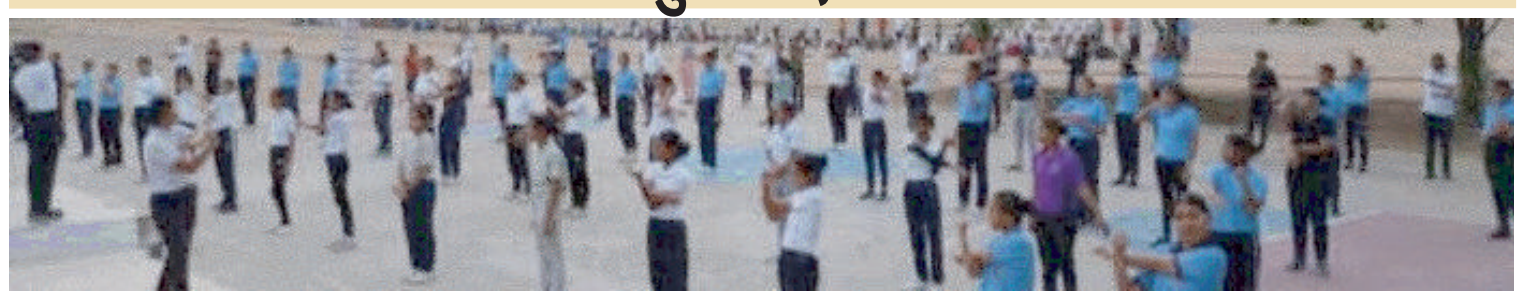

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। स्थानीय शास्त्री नगर स्तिथि एनसीसी यूनिट पांच राज स्वतंत्र कंपनी द्वारा दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सी ए टी सी) दिनांक 7 मई से 16 मई तक आयोजित किया जा रहा है। एनसीसी यूनिट कमान अधिकारी लेफ्टीनेंट कर्नल तेजेंद्र शर्मा ने बताया की।

लगभग 600 कैडेट ने रजिस्ट्रेशन करवाया तथा मेडिकल जांच करवाई ।उन्होंने सभी कैडेट को यूनिटी एवं डिसिप्लिन के लिए प्रेरित किया तथा देश सेवा में कार्यरत रहने के लिए आग्रह किया ।शिविर ओपनिंग उद्बोधन में कमान अधिकारी लेफ्टीनेंट कर्नल तजेंद्र शर्मा ने दस दिवस की शिविर की रूपरेखा को समझाया तथा ट्रेनिंग कोर्स को बताया। कैडेट्स 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में जमकर दम ख़म दिखाएंगे तथा विभिन्न आर्मी के अधिकारी, एएनओ,सीटीओ के मार्गदर्शन में विभिन्न ओब्सटेकलरॉक क्लाइंबिंग, जिपलाइन, ट्रैकिंग, कमांडो, नेट मंकी क्राउलिंग, आर्मी ट्रेनिग ,बंकर बनाना, राइफल शूटिंग, टेंट लगाना तथा प्रकृति का रख रखाव, बाढ़ पीड़ितों की सहायता करना सीखें,इस वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के साथ ही उदयपुर ग्रुप के लिए फायरिंग के लिए सलेक्शन भी इसी शिविर के अंतर्गत श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कैडेट फायरिंग के लिए चयन आगे के शिविर के लिए किया जाएगा !शिविर में आवास निवास की व्यवस्था में विशेष योगदान देने वाले दीपक अग्रवाल तथा राजश्री अग्रवाल भी उपस्थित थे, तथा कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल तेजेंदर शर्मा ने उनका योगदान देने के लिए आभार व्यक्त किया !

चंपुआ बिधानसभा खेत्र मे सना को टकर देने केलिए दम दिखाई कोंग्रेस नेता जसोबंत लगूरी

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वर : केओञ्झर चन्पुआ का सबसे बडा नेता सना महखुड के गढ़ में यशोवंत ने दिखाई ताकत ! विपक्ष की आंखों की तरह भारी भीड़ के बीच कांग्रेस प्रत्याशी यशवंत नारायण सिंह लागुरी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया । नामांकन के आखिरी दिन 25 हजार समर्थकों की भीड़ के साथ चंपुआ विधान सभा सीट के लिए कांग्रेस विधायक उम्मीदवार यशवंत नारायण सिंह लागुरी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है ।हजारों समर्थकों के जुलूस से आज राष्ट्रीय राजमार्ग 20 पूरी तरह जाम हो गया, वहीं पूरा राष्ट्रीय राजमार्ग पार्टी के झंडों से जगमगा उठा । बीजेडी से टिकट मिलने के बाद सनातन ने महाकुड़ को करारा जवाब देते हुए कहा कि चंपुआ से मेरा कोई प्रतिद्वंदी नहीं है ।25 हजार समर्थकों की भीड़ के बीच यशवंत ने आज अपना नामांकन पत्र दाखिल कर विपक्ष का मुंह बंद कर दिया है । आज सुबह 11.30 बजे, वह पार्टी कार्यकर्ताओं और हजारों समर्थकों की उपस्थिति में पारंपरिक वाद्ययंत्रों, नृत्यों और गीतों के साथ जुलूस के साथ चंपुआ एनएसी के अंतर्गत अपने गांव रामला से निकले और उप जिला कलेक्टर के कार्यालय में अपना नामांकन पत्र जमा किया। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 20 चंपुआ से रामला तक यशोवंत की बारात भारी जनसैलाब से भरी हुई थी। भारी गर्मी के बावजूद जुलूस के दौरान सभी के मन में एक खास उत्साह दिख रहा था, जबकि कांग्रेस सांसद प्रत्याशी विनोद नायक, पटना विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी हर्षिकेश नायक, क्योंझर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विप्लव मिश्रा, कांग्रेस नेता अशोक चक्कर, यदुमणि बारिक प्रमुख रूप से मौजूद थे।

पहले जहां चंपुआ सीट को सना का गढ़ कहा जाता था, वहीं बिजेड़ी उम्मीदवार सनातन महाकुड के एकतरफा वोट से जीतने को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं थीं । जहां इस बात की चर्चा है कि यशोवंत ने मीडिया में सनातन के खुद के दम पर भी एकतरफा जीत के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, वहीं पूर्व सांसद यशोवंत नारायण सिंह लागुरी के कांग्रेस में शामिल होने और कांग्रेस विधायक प्रत्याशी बनने से त्रिकोणीय मुकाबला साफ हो गया है , चंपुआ निर्वाचन क्षेत्र में । हालांकि सनागढ़ में पहले कांग्रेस का कोई संगठन नहीं था, लेकिन हजारों कांग्रेस समर्थक सियासी महल में चर्चा कर रहे हैं, जो सना खेमे में चिंता का कारण बन गया है ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail .com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023